राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,२३ मई २०२१ वर्ष-४, अंक -११९ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

26 लोग अभी भी लापता, नैसेना ने बचाव अभियान किया तेज; मुंबई तट पर रवाना डाइविंग टीम

मुंबई। चक्रवात तूफान 'टाक्टे' ने कई शहरों में अपना कहर बरपाया है। इस दौरान काफी संख्या में लोगों की जान गई तो कई लापता हो गए। लापता हुए लोगों को ढूंढने के लिए खोजी अभियान तेज कर दिया गयाा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी भी 26 लोग लापता हैं। चक्रवात तूफान के 6 दिन बाद बचाव कार्यों को बढ़ावा देने के लिए नौसेना ने शनिवार को मुंबई तट पर डाइविंग टीम को तैनात किया है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने ट्वीट करते हुए बताया कि बजरा पी305 और टग वरप्रदा के लापता चालक दल को खोजने के लिए स्पेशल डाइविंग टीम को आइएनएस मकर पर साइड-स्कैन सोनार और आइएनएस तरासा के साथ तैनात किया गया है। आज सुबह ही इस टीम को रवाना किया गया है। सोमवार को अरब सागर में डूबे जहाज क्ष305 पर मरने वालों की संख्या 60 हो गई है। फिलहाल 11 और लोगों की तालाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि इस तूफान के चलते लापता हुए लोगों की बचने की आशा कम हो गई है। नौसेना की मानें तो बेहद खराब मौसम से जूझते हुए उसके जवानों ने बजरा पी305 पर मौजूद 273 लोगों में से अब तक 184 को बचा लिया है। दो अन्य बजरों तथा एक ऑयल रिग पर मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल मुरलीधर सदाशिव पवार ने कहा था कि यह बीते चार दशक में सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण तलाश एवं बचाव अभियान है। बता दें कि ये बजरे चक्रवात टाक्टे के गुजरात तट से टकराने से कुछ घंटे पहले मुंबई के पास अरब सागर में फंस गए थे। नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया था कि बुधवार सुबह तक पी305 पर मौजूद 184 कर्मियों को बचा लिया गया है। आइएनएस कोच्चि और आइएनएस कोलकाता इन लोगों को लेकर मुंबई बंदरगाह लौटे। आइएनएस तेग, आईएनएस बेतवा, आईएनएस ब्यास, पी81 विमान और हेलीकॉप्टरों की मदद से तलाश एवं बचाव अभियान जारी है।

ब्लैक फंगस मचा रहा तबाही : इन राज्यों में मिले सबसे ज्यादा मरीज, डॉक्टरों को दवा के संकट का डर

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र में ब्लैक फंगस के सबसे अधिक मरीज मिले हैं। यहां दो हजार मरीजों में ब्लैक फंगस मिला है, जबकि 90 मरीजों की मौत हो चुकी है।

नई दिल्ली। देश में ब्लैक फंगस (म्यूकॉरमायकोसिस) तबाही मचा रहा है। खासतौर पर महाराष्ट्र, गुजरात और मध्यप्रदेश में ब्लैक फंगस तेजी से पैर पसार रहा है। इसी तरह गुजरात में 1163 मामले सामने आए हैं और 61 मरीजों की मौत हो चुकी है। तमिलनाडु, ओडिशा , गुजरात, चंडीगढ़ राजस्थान और तेलंगाना ने ब्लैक फंगस को महामारी घोषित किया है।

इन राज्यों में सबसे कम केस राज्यों के आंकड़ों के अनुसार बिहार में ब्लैक फंगस के 103 केस मिले हैं और दो मौत हुई है। छत्तीसगढ़ में 101 मरीजों में म्यूकॉरमायकोसिस की पुष्टि हुई है और एक मरीज की जान गई है। तेलंगाना में 90 मरीज मिले हैं , दस की मौत हुई है। कर्नाटक में भी ब्लैक फंगस के 97 मरीज हैं , यहां कोई मौत नहीं हुई है।

यूपी-हरियाणा में अब तक 8-8 की मौत मध्य प्रदेश में ब्लैक फंगस के कुल 575 केस आए हैं और सरकारी आंकड़ों के अनुसार 31 मरीजों ने दम तोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश में 169 लोगों में ब्लैक फंगस मिला है और आठ मौतों की पुष्टि हुई है। दिल्ली में 203 मरीज मिले हैं और एक की मौत हुई है। हरियाणा में 268 मरीज मिले हैं आठ मरीजों ने दम तोड़ दिया है।

महाराष्ट्र में इंजेक्शन की किल्लत

महाराष्ट्र के स्वास्थ्यमंत्री राजेश टोपे ने बताया है कि महाराष्ट्र में 1500 से अधिक मरीज मिले हैं जिसमें अभी 850 मरीजों का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि एक मरीज को औसतन 60 से 100 इंजेक्शन लग सकते हैं। ऐसे में औसतन डेढ़ लाख इंजेक्शन की जरूरत पड़ सकती है।

समय रहते गंभीर मरीजों को इंजेक्शन नहीं मिलने से बीमारी और गंभीर होती है जिससे जान पर खतरा बन सकता है।

इन राज्यों में सबसे कम केस राज्यों के आंकड़ों के अनुसार बिहार में ब्लैक फंगस के 103 केस मिले हैं और दो मौत हुई है। छत्तीसगढ़ में 101 मरीजों में म्यूकॉरमायकोसिस की पुष्टि हुई है और एक मरीज की जान गई है। तेलंगाना में 90 मरीज मिले हैं , दस की मौत हुई है। कर्नाटक में भी ब्लैक फंगस के 97 मरीज हैं , यहां कोई मौत नहीं हुई है। यूपी-हरियाणा में अब तक 8-8 की मौत मध्य प्रदेश में ब्लैक फंगस के कुल 575 केस आए हैं और सरकारी आंकड़ों के अनुसार 31 मरीजों ने दम तोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश में 169 लोगों में ब्लैक फंगस मिला है और आठ मौतों की पुष्टि हुई है। दिल्ली में 203 मरीज मिले हैं और एक की मौत हुई है। हरियाणा में 268 मरीज मिले हैं आठ मरीजों ने दम तोड़ दिया है।

दवा के संकट को लेकर डॉक्टर भयभीत

दिल्ली के निजी अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि वो कोरोना मरीजों का इलाज तो कर रहे हैं लेकिन पर दवा के लिए सरकार से आवेदन करना पड़ रहा है । ऐसे में दवा मिलने में समय लग रहा है जिससे मरीजों की स्थिति तेजी से बिगड़ रही है।

डॉक्टरों को डर है कि ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की तरह ब्लैक फंगस की दवा का संकट हो सकता है। तब मरीजों की जान बचाना मुश्किल होगा। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. डीएस राणा का कहना है कि सरकारी अनुमति से दवा की आपूर्ति बेहतर है, पर मरीजों की संख्या बढ़ने से व्यवस्था डगमगा सकती है।

पुरुषों और डायबिटीज मरीजों को 'ब्लैक फंगस' का खतरा सबसे ज्यादा

डॉक्टरों की स्टडी में खुलासा

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संकट के बीच ब्लैक फंगस यानी म्यूकोर्मिकोसिस के बढ़ते मामले ने केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। चार भारतीयों द्वारा जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक अध्ययन के अनुसार, पुरुषों में म्यूकोर्मिकोसिस से संक्रमित होने की संभावना अधिक होती है। डाक्टरों ने अपनी इस स्टडी का नाम कोविड-19 में म्यूकोर्मिकोसिस दुनिया भर में और भारत में रिपोर्ट किए गए मामलों की एक व्यवस्थित समीक्षा दिया है। डॉक्टरों ने एक दुर्लभ लेकिन गंभीर फंगल संक्रमण, म्यूकोर्मिकोसिस से संक्रमित कोरोना रोगियों के 101 मामलों का विश्लेषण किया। इसमें पाया गया कि संक्रमितों में 79 पुरुष थे। डायबिटीज को सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक के रूप में पाया गया। जिसमें 101 में से 83 डायबिटीज से पीड़ित थे। इस स्टडी को एल्सेवियर जर्नल में प्रकाशित किया जाना है। कोलकाता में जीडी अस्पताल और डायबिटीज संस्थान से डॉ अवधेश कुमार सिंह और डॉ रितु सिंह, मुंबई में लीलावती अस्पताल से डॉ शशांक जोशी और नई दिल्ली में राष्ट्रीय डायबिटीज, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल फाउंडेशन से डॉ अनूप मिश्रा ने एक साथ 101 रोगियों का अध्ययन किया, जिसमें 82 भारत से थे, 9 अमेरिका से और तीन ईरान से।

आपको बता दें कि कोविड -19 से संबंधित म्यूकोर्मिकोसिस एक गंभीर बीमारी बन गई है, जिसमें अब तक सबसे अधिक मौतें (90) महाराष्ट्र से हुई हैं। अध्ययन में 101 में से 31 लोगों की मौत फंगल संक्रमण के कारण हुई। डेटा से पता चला है कि म्यूकोर्मिकोसिस विकसित करने वाले 101 व्यक्तियों में से 60 में सक्रिय कोविड -19 संक्रमण था और 41 ठीक हो गए थे। साथ ही, 101 में से 83 लोगों को डायबिटीज था, वहीं तीन को कैंसर था।

ब्लैक फंगस के इलाज के लिए बाजार में आ गई दवा, इस लैब ने सबसे पहले किया लॉन्च

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना वायरस की दूसरी लहर से थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन इसी राहत के बीच ब्लैक फंगस आफत बनी हुई है। कोरोना से ठीक हो रहे मरीजों में तेजी से फैल रहा है हालांकि फार्मा कंपनी एमएसएन लैबोरेटरीज ने ब्लैक फंगस मरीजों के इलाज के लिए पॉसाकोनाजोल दवा लॉन्च किया है। एंटी-फंगल दवा पॉसकोनाज़ोल के बाजार में आने से संक्रमित मरीजों को काफी राहत मिलगी।

दवा और इंजेक्शन की क्या है कीमत-कंपनी ने बताया कि पॉसावन ब्रांड नाम से पॉसकोनाज़ोल टैबलेट 100 एमजी में और 300 एमजी क्षमता में इंजेक्शन तैयार किए गए हैं। इस दवा को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीजीसीआई) से भी मंजूरी मिल गई है। ब्लैक फंगस के इलाज में कारगर पॉसावन बाजार में प्रति टैबलेट 600 रुपये में उपलब्ध है, वहीं प्रति इंजेक्शन की कीमत 8500 रुपये रखी गई है। कंपनी के मुताबिक एमएसएन के एंटी फंगल ड्रग के क्षेत्र में रिसर्च एंड मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का यह नतीजा है ।

हालांकि फार्मा कंपनी एमएसएन लैबोरेटरीज ने ब्लैक फंगस मरीजों के इलाज के लिए पॉसाकोनाजोल दवा लॉन्च किया है। एंटी-फंगल दवा पॉसकोनाज़ोल के बाजार में आने से संक्रमित मरीजों को काफी राहत मिलगी।

कोविड से ठीक हुए मरीजों में ज्यादा लक्षण

कोविड-19 से ठीक हो रहे कई मरीजों में म्यूकोरमायकोसिस नामक दुर्लभ फंगल यानी ब्लैक फंगस मरीजों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह इतना खतरनाक है कि इससे कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। साथ ही आंखों की रोशनी जा चुकी है। ब्लैक फंगस का सबसे ज्यादा कहर राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों में है। करीब 2 दर्जन से ज्यादा राज्य इस महामारी की चपेट में है। कई राज्यों ने इसे तो महामारी घोषित कर दिया है।

राजस्थान में ब्लैक फंगस के सबसे ज्यादा मामले

राजस्थान में तो ब्लैक फंगस के 700 नए मामले सामने आए हैं, कोरोना से रिकवर हुए मरीज फिर से यहां के अस्पतालों भर्ती हो रहे हैं। इससे अस्पताल पर भी दबाव बढ़ता जा रहा है। डॉक्टर भी इस बीमारी को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

बारिश और लॉकडाउन ने धो डाला हवा में घुला प्रदूषण, वायु गुणवत्ता में सुधार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के निवासी इस समय वर्ष 2021 की सबसे साफ हवा में सांस ले रहे हैं। दिल्ली समेत एनसीआर के शहरों की हवा संतोषजनक श्रेणी में बनी हुई है। इससे पहले गत वर्ष सितंबर और अक्तूबर में हवा की यही स्थिति थी। अगले तीन दिनों तक दिल्ली -एनसीआर की हवा में बदलाव होने की संभावना नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शुक्रवार को राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 85 दर्ज किया गया। इसके अलावा गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा की हवा 64 वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ सबसे साफ दर्ज की गई। नोएडा का 82, गुरुग्राम का 106, और फरीदाबाद का 108 एक्यूआई दर्ज किया गया। इससे एक दिन पहले लगातार बारिश होने की वजह से दिल्ली के विभिन्न इलाकों में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 50 से भी नीचे चला गया था, जो साफ श्रेणी में दर्ज किया जाता है। इससे पहले जनवरी से मार्च तक हवा की स्थिति खराब से बहुत खराब श्रेणी के बीच बनी रही थी। इसका प्रमुख कारण धूल व पराली के धुएं को भी माना जा रहा था। इसके बाद मार्च से हवा में सुधार होने से लोगों को हल्की राहत मिली थी। अब लगातार बारिश होने की वजह वजह से हवा संतोषजनक स्थिति में चल रही है। सफर के मुताबिक, अगले तीन दिनों तक दिल्ली-एनसीआर की हवा में बदलाव की कोई संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटों में हवा में पीएम 10 का स्तर 75 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम 2.5 का स्तर 36 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। पीएम10 का स्तर 100 से कम और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर सुरक्षित श्रेणी में माना जाता है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की तस्वीर लेने पर लगी पाबंदी, एंट्री के लिए PPE किट भी अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने सेंट्रल विस्टा परियोजना के अगले चरण के दौरान फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के साथ-साथ गैर-जरूरी आगंतुकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। आपको बता दें कि इस चरण में एक कॉमन सचिवाल का काम होना है। विभाग ने कोरोना के प्रकोप से इस निर्माण कार्य में जुटे लोगों को बचाने के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनमें इस क्षेत्र में प्रवेश करने वालों के लिए पीपीई किट का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है।

एक टेंडर दस्तावेज के मुताबिक, इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाले सभी लोगों द्वारा पीपीई (फेस मास्क, हैंड ग्लव्स और अन्य

जो लागू हो) का उपयोग अनिवार्य है। फिर से इस्तेमाल की जाने वाली पीपीई किट को अच्छी तरह से साफ किया जाना चाहिए और दूसरों के साथ साझा नहीं किया जाना चाहिए। साइट पर गैर-जरूरी आगंतुकों (प्रधान कार्यालय के कर्मचारियों, सलाहकारों आदि सहित) पर पूर्ण प्रतिबंध होगा। साइट पर फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी प्रभारी अभियंता द्वारा पहचाने गए अधिकृत कर्मियों द्वारा की जानी चाहिए। ठेकेदार अनाधिकृत व्यक्तियों को फोटो/वीडियो लेने से दूर रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगा।

सेंट्रल विस्टा परियोजना के पहले तीन सामान्य सचिवालय भवनों के लिए 3408 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से निविदा पिछले महीने जारी की गई थी, जिसके लिए बोलियां 15 जून को खुलेंगी। इसने आईजीएनसीए के प्लाट पर बनने वाले तीन भवनों के लिए दो चरणों वाली निविदा प्रक्रिया के लिए तकनीकी बोलियां आमंत्रित कीं, जिन्हें ध्वस्त करने और जामनगर हाउस में एक नए परिसर में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव है। लगभग 70,000 केंद्र सरकार के कर्मचारियों के कार्यालयों के लिए कुल 10 सामान्य सचिवालय भवनों की योजना बनाई गई है। पिछले हफ्ते, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, सरकार की निर्माण शाखा, ने फोटोग्राफी या वीडियो रिकॉर्डिंग पर प्रतिबंध लगाने वाले बोर्ड लगाए और सेंट्रल विस्टा के निर्माण स्थल पर जनता के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया, जिसमें अधिकांश राजपथ खंड शामिल हैं। परियोजना के लिए हटाए जाने वाले पेड़ों की सूची में कम से कम 20 जामुन के पेड़ शामिल होंगे। ये करीब 100 साल पुराने हैं।

दिसंबर तक भारत को मिल जाएगा 'आसमानी कवच'

नई दिल्ली। भारत को दिसंबर तक आसमानी कवच मिलने वाला है। भारत को सतह से हवा में मार करने वाली अत्याधुनिक एस-400 मिसाइल प्रणाली की पहली खेप रूस से इस साल दिसंबर तक मिल जाएगी। रोसोबोरोनएक्पोर्ट के सीईओ अलेक्जेंडर मिखेयेव ने कहा कि हर चीज तय समय के अनुसार चल रही है।

एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की रूस की सबसे उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली है। ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली 400 किलोमीटर की दूरी से शत्रु विमानों, मिसाइलों और यहां तक कि ड्रोन को भी नष्ट कर सकती है। एजेंसी ने बताया कि भारतीय विशेषज्ञ रूस पहुंए गए हैं और उन्होंने जनवरी 2021 में एस-400 संबंधी प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया है। तो चलिए जानते हैं इस मिसाइल की खासियतें और ताकतें।

लंबी दूरी की सबसे उन्नत प्रणाली

एस-400 सतह से हवा में मार करने वाला एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम है। यह लंबी दूरी की रूस की सबसे उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली है। ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली इतनी उन्नत है कि 400 किलोमीटर की रेंज में आने वाले शत्रु विमानों, क्रूज मिसाइल, परमाणु मिसाइल और ड्रोन को भी नष्ट कर सकती है।

चार मिसाइल, तीन दिशाओं में मार

इस सिस्टम में चार अलग-अलग रेंज में मिसाइल हैं जो 400 किलोमीटर, 250 किमी, 120 किमी और 40 किलोमीटर तक

मार कर सकती हैं। यह एक साथ तीन दिशाओं में मिसाइल दाग सकता है।

अन्य विशेषताएं

- एस-400 प्रणाली एस-300 का उन्नत संस्करण है।
- इसकी तैनाती में केवल 5 से 10 मिनट लगता है।
- इस प्रणाली में एक साथ तीन मिसाइलें दागी जा सकती हैं
- इसके प्रत्येक चरण में 72 मिसाइल शामिल
- यह हाइपरसोनिक गति से हमला कर सकता है
- यह एक साथ 300 लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है।

अमेरिका ने किया था विरोध

अमेरिका ने भारत और रूस की एस-400 ट्रायम्फ एंटी मिसाइल सिस्टम डील का विरोध किया था। एस-400 को अमेरिका की थाड एंटी मिसाइल सिस्टम की टक्कर का माना जाता है। जानकार यह भी मान रहे हैं कि एस-400 सिस्टम अमेरिका की संवेदनशील सैन्य प्रौद्योगिकी में सेंध लगा सकता है।

अन्य खास बातें

- 400 किलोमीटर की रफ्तार से आने वाली ड्रोन-मिसाइल का खात्मा करने में सक्षम
- 5 अरब डॉलर में 5 यूनिट के लिए साल 2018 में हुआ था सौदा
- 36 मिसाइल को एक साथ मार सकता है
- 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक निशाना लगाने में सक्षम

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जरूरी युद्ध विराम

पिछले ग्यारह दिनों से चल रहे जिस फलस्तीन-इजरायल युद्ध ने सारी दुनिया को सांसत में डाल रखा था, उसमें आखिरकार युद्धविराम की घोषणा हो गई। वर्ष 1967 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद यह फलस्तीन और इजरायल के बीच सबसे बड़ा संघर्ष था। अब तक के सभी अरब-इजरायल युद्धों की तरह यह भी निर्णायक नहीं हुआ और दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया। हमास का कहना है, उसने इजरायली हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया और इजरायल ने कहा कि उसने हमास के सैकड़ों लड़ाकों को मार गिराया। जीत के दावे अपनी जगह, लेकिन वास्तविकता यही है कि इस लड़ाई के असली शिकार भी दोनों पक्षों के आम नागरिक ही हैं। हमास का कहना है कि इस जंग में 253 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें 65 बच्चे हैं। करीब 2,000 नागरिक इस लड़ाई में जख्मी हुए हैं। उधर इजरायल के 12 नागरिक मारे गए हैं, जिनमें एक सैनिक और एक बच्चा है। फलस्तीन में इस युद्ध से जो इमारतें गिरी हैं और बुनियादी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है, वह फलस्तीनियों के पहले से ही कठिन जीवन को और कठिन बना देगा। दूसरी ओर, इजरायल को पता चल गया है कि तमाम सैनिक वर्चस्व के बावजूद हमास पर निर्णायक जीत निकट भविष्य में संभव नहीं है और तमाम आयरन डोम सुरक्षा के उसके नागरिक पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। यह बहुत स्पष्ट है कि फलस्तीन-इजरायल विवाद का कोई निर्णायक हल युद्ध से नहीं निकल सकता। आखिरकार यह विवाद भी आपसी बातचीत और समझदारी से ही सुलझना है, लेकिन अभी दोनों पक्षों के पास ऐसा प्रभावी नेतृत्व नहीं है, जो शांति के लिए पहल कर सके, न अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में ऐसा कोई तटस्थ मध्यस्थ है, जिसकी ऐसी विश्वसनीयता हो। ऐसे विवादों में जो अक्सर होता है, वही यहां भी हुआ है कि दोनों तरफ के अतिवादियों ने मध्यमार्गी और शांतिप्रिय शक्तियों को हाशिये पर धकेल दिया है। लंबी खिंचती शांति-प्रक्रिया में धीरे-धीरे मध्यमार्गी फलस्तीनी मुक्ति संगठन और फलस्तीन के अधिकृत नेता महमूद अब्बास को अप्रासंगिक बना दिया है। उग्रवादी संगठन हमास के हाथों में असली ताकत है। हमास को इजरायल, अमेरिका और अन्य कई देश आतंकी संगठन मानते हैं। दूसरी तरफ, इजरायल में कट्टर दक्षिणपंथी ताकतें राजनीति में वर्चस्व बनाए हुए हैं। अगर इस लड़ाई से वास्तव में किसी को फायदा हुआ है, तो वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हैं। अगर यह लड़ाई न होती, तो नेतन्याहू के हाथ से गद्दी खिसक जाना तय था, क्योंकि वह बहुमत खो चुके थे। अब वह अगले चुनाव तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। वैसे भी, पिछले लंबे दौर से नेतन्याहू राजनीतिक उथल-पुथल व भ्रष्टाचार के आरोपों से निपटने के लिए उग्र राष्ट्रवाद का सहारा ले रहे हैं। यह जंग अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की पहली अंतरराष्ट्रीय परीक्षा थी और वह भी इसमें उत्तीर्ण नहीं हुए। उनका ढुलमुल रवैया और जंग को रोक पाने में उनकी विफलता से अमेरिका के प्रगतिशील और उदार तबके में उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है। अगर मध्य-पूर्व में कोई शांति की पहल कर सकता है, तो वह अमेरिका ही है और इसके लिए उसे अपने फौरी स्वार्थों को कुछ देर किनारे करना पड़ेगा। देखना यह है कि कौन अमेरिकी राष्ट्रपति यह हिम्मत दिखा पाता है।

आज के ट्वीट

शंख

1000 साल पहले हमारे सनातनी पूर्वजों ने हमसे हर दिन सुबह की पूजा के दौरान शंख बजाने को कहा था। और आज डॉक्टर्स लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे स्पाइरोमीटर नामक यंत्र का इस्तेमाल करे, जो आपको लम्बी, गहरी साँस लेने में मदद करता और फेफड़ों के फैलाव को बढ़ाता है। यही तो शंख भी करता है।

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

दूसरा संक्रमण रोकने के लिए ट्रायल

मुकुल व्यास

यदि कोई व्यक्ति कोरोना वायरस से दोबारा संक्रमित होता है तो पुनर्संक्रमण के खिलाफ किस तरह के इम्यून रेस्पांस की जरूरत पड़ेगी? यह जानने के लिए वे कुछ वॉलंटियरों को जानबूझकर दोबारा कोरोना वायरस से संक्रमित करना चाहते हैं। इसके लिए वे ऐसे वॉलंटियर खोज रहे हैं, जिन्हें कोविड हो चुका है। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी को इस तरह का 'चैलेंज ट्रायल' करने की अनुमति मिल गई है। यूनिवर्सिटी में वैक्सीनोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. हेलेन मैकशान ने कहा कि यदि नियंत्रित तरीके से यह पता लग जाए कि पुनर्संक्रमण से बचाव के लिए किस प्रकार के इम्यून रेस्पांस की जरूरत पड़ेगी तो हम ऐसे लोगों का अध्ययन कर सकेंगे, जिनमें कुदरती तौर पर संक्रमण हो चुका है। इस अध्ययन के बाद हम यह तय कर सकेंगे कि क्या वे दूसरे संक्रमण से सुरक्षित हैं या नहीं। चैलेंज स्टडी में ऐसे लोगों को नियंत्रित वातावरण में वायरस से संक्रमित किया जाता है, जिनमें कोविड के गंभीर रूप लेने का खतरा बहुत कम होता है। इससे पहले इसी साल के आरंभ में कुछ दूसरे रिसर्चरों ने ऐसे लोगों के साथ चैलेंज ट्रायल शुरू किया था जो पहले से संक्रमित नहीं थे। इन स्वस्थ लोगों को जानबूझकर कोरोना वायरस की बहुत अल्प मात्रा दी गई थी। नये अध्ययन के लिए रिसर्चर 18 से 30 साल की आयु के ऐसे स्वस्थ वॉलंटियर की भर्ती कर रहे हैं, जिन्हें ट्रायल में भाग लेने से पहले कम से कम तीन महीने पहले कोरोना वायरस का संक्रमण हुआ और उनके शरीर में वायरस के खिलाफ एंटीबॉडीज मौजूद हैं। इस अध्ययन के दो चरण होंगे। पहले चरण में 24 वॉलंटियर शामिल किए जाएंगे। इस अध्ययन में वायरस की उस न्यूनतम खुराक का पता लगाया जाएगा जो बिना किसी लक्षण या बहुत मामूली लक्षणों के साथ वॉलंटियरों में संक्रमण उत्पन्न कर सकती है। मैकशान ने बताया कि हम वायरस की बहुत कम मात्रा से शुरुआत करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि यह मात्रा सेफ हो। यदि यह मात्रा वॉलंटियरों में संक्रमण उत्पन्न करने में सफल नहीं रहती तो वायरस की डोज बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 50 प्रतिशत वालंटियरों को संक्रमित करने का है, जिनमें बहुत मामूली लक्षण हों या कोई लक्षण न हों। दूसरे चरण में 10 से लेकर 40 लोग भाग लेंगे। उन्हें पहले चरण में निर्धारित वायरस की डोज दी जाएगी। रिसर्चरों को उम्मीद है कि इस अध्ययन से यह जानने में मदद मिल सकती है कि एंटीबॉडीज और 'टी' कोशिकाओं का कौन-सा स्तर दूसरे संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। ध्यान रहे कि 'टी' कोशिकाएं एक किस्म की श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं। ये कोशिकाएं इम्यून सिस्टम की अनिवार्य अंग हैं। वायरस के संपर्क में आने वाले सभी वॉलंटियरों को 17 दिन के लिए क्वारंटीन किया जाएगा और उनके स्वास्थ्य की बारीकी से जांच की जाएगी। उनके फेफड़ों के सीटी स्कैन सहित कई टेस्ट किए जाएंगे। जिन वॉलंटियरों में कोविड के लक्षण दिखेंगे, उन्हें रिजनेरॉन कंपनी द्वारा विकसित मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज दी जाएंगी, जिनसे अस्पताल में जाने का रिस्क कम होता है। दूसरे संक्रमण से ठीक होने वाले वॉलंटियर पर 8 महीने तक नजर रखी जाएगी। इस बीच, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने कोरोना के संक्रमण से लड़ने वाले मानव जीनों के समूह की पहचान की है। यदि हमें यह पता चल जाए कि कौन से जीन वायरस के संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं तो हमें उन कारणों को समझने में मदद मिल सकती है, जिनसे कोविड गंभीर रूप धारण कर लेता है। इससे बीमारी के इलाज के लिए दूसरे विकल्पों का भी पता चल सकता है। अमेरिका के स्टेनफोर्ड बर्नहेम प्रेबिस मेडिकल डिस्कवरी इंस्टीट्यूट के रिसर्चरों ने जिन जीनों की पहचान की है, उनका संबंध इंटरफेरोन प्रोटीनों से है जो वायरस से लड़ने वाले शरीर के फ्रंटलाइन योद्धा होते हैं। यह अध्ययन मॉलिक्युलर सेल पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। संस्थान में इम्युनिटी प्रोग्राम के डायरेक्टर और इस अध्ययन के प्रमुख लेखक सुमित के. चंदा ने बताया कि हम यह देखना चाहते थे कि कोशिकाओं के स्तर पर कोरोना के खिलाफ शरीर का रेस्पांस कैसा होता है। हम यह भी पता लगाना चाहते थे कि संक्रमण के खिलाफ तगड़ा या कमजोर रेस्पांस किन कारणों से होता है। उन्होंने कहा कि इस रिसर्च से हमें यह समझने में मदद मिली है कि वायरस किस प्रकार मानव कोशिकाओं के भीतर अपनी सक्रियता बढ़ाता है। पैंडेमिक शुरू होने के बाद रिसर्चरों ने पता लगाया था कि इंटरफेरोन के कमजोर रेस्पांस से कोविड गंभीर रूप लेने लगता है। इस खोज के बाद चंदा और उनके सहयोगियों ने उन मानव जीनों की तलाश शुरू कर दी, जिन्हें इंटरफेरोन द्वारा सक्रिय किया जाता है। इन जीनों को 'इंटरफेरोन स्टिमुलेटेड जीन' (आईएसजी) भी कहा जाता है। ये जीन कोरोना संक्रमण के प्रभाव को कम करते हैं। रिसर्चरों ने 2002 से लेकर 2004 तक फैली सार्स कोव-1 महामारी के अध्ययन से मिली जानकारी के आधार पर कोविड-19 में वायरस के विस्तार की प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले आईएसजी जीनों को पहचानने का काम शुरू किया। चंदा ने बताया कि उनकी टीम ने 65 आईएसजी जीनों की पहचान की जो कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करते हैं। इनमें कुछ ऐसे जीन शामिल हैं जो कोशिकाओं में दाखिल होने की वायरस की क्षमता को अवरुद्ध करते हैं। कुछ ऐसे जीन हैं जो वायरस की जीवन शक्ति, आरएनए के निर्माण की प्रक्रिया को रोकते हैं। इनके अलावा इन जीनों में कुछ ऐसे भी जीन हैं जो वायरस के जमाव में रुकावट डालते हैं। एक दिलचस्प बात यह है कि कुछ आईएसजी जीनों ने मौसमी फ्लू, वेस्ट नाइल और एचआईवी वायरसों पर भी अपना नियंत्रण दर्शाया है। इस अध्ययन की प्रथम लेखक लॉरा मार्टिन सांचेज ने बताया कि हमने आठ जीनों की पहचान की है जो सार्स कोव-1 और सार्स कोव-2 वायरसों में रिप्लीकेशन (प्रतिकृति बनने की प्रक्रिया) को रोकते हैं। इस खोज का उपयोग वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए किया जा सकता है। अगले चरण में रिसर्चर कोरोना वायरस की विभिन्न किस्मों अथवा वेरिएंट्स के जीव-विज्ञान का अध्ययन करेंगे। ये किस्में लगातार विकसित हो रही हैं और इसकी वजह से वैक्सीनों की प्रभावशीलता पर भी असर पड़ रहा है। रिसर्चरों ने प्रयोगशाला में अध्ययन के लिए इन वेरिएंट्स को एकत्र करना भी शुरू कर दिया है। यह अध्ययन भविष्य में किसी वायरस से होने वाली महामारी से निपटने में भी काम आएगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

स्वतंत्रता

आचार्य रजनीश ओशो/ एक जन्म में ज्ञान की यात्रा पूरी हो गई हो तो व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह चाहे तो एक जन्म और ले सके और चाहे तो न ले। बिल्कुल स्वतंत्रता की स्थिति है। सच तो यह है कि वही एक जन्म स्वतंत्रता से लिया गया होता है। अन्यथा कोई जन्म स्वतंत्रता से नहीं है। चुनाव नहीं है बाकी जन्मों में। बाकी जन्म तो वासना के पाश में बहुत मजबूरी में लेने पड़े हैं। जैसे धकाए गए हैं, या खींचे गए हैं या दोनों ही बातें एक साथ हुई हैं। धकाए गए हैं पिछले कर्मो से, खींचे गए हैं आगे की आकांक्षाओं से। तो हमारा जन्म साधारणतः बिल्कुल परतंत्र घटना है। उसमें चुनाव का मौका नहीं है। सचेतन रूप से हम चुनते नहीं कि हम जन्म लें। सचेतन रूप से सिर्फ एक ही मौका आता है चुनने का। वह तब आता है, जब व्यक्ति स्वयं को पूरी तरह जान लेता है। वह घटना घट चुकी होती है, जिसके आगे पाने को कुछ नहीं होता। ऐसा क्षण आ जाता है जब व्यक्ति कह सकता है कि अब मेरे लिए कोई भविष्य नहीं है, क्योंकि मेरे लिए कोई वासना नहीं है। ऐसा कुछ नहीं है जो मैं न पाऊं तो मेरी कोई पीड़ा है। यह बहुत ही शिखर का क्षण है- 'पीक।' इस शिखर पर ही पहली दफा स्वतंत्रता मिलती है। यह मजे की बात है और जीवन के रहस्यों में से एक कि जो चाहेंगे स्वतंत्र हों, वे स्वतंत्र नहीं हो पाते हैं और जिसकी अब कोई चाह नहीं रही, वे स्वतंत्र हो जाते हैं। जो चाहते हैं यहां जन्म ले लें, वहां जन्म ले लें, उनके लिए कोई उपाय नहीं है। और जो इस स्थिति में हैं कि कहीं जन्म लेने का कोई सवाल न रहा, इस सुविधा में हैं कि चाहे तो कहीं ले लें। लेकिन यह भी एक ही जन्म के लिए संभव है। इसलिए नहीं कि एक जन्म के बाद उसे स्वतंत्रता नहीं रह जाएगी जन्म लेने की। स्वतंत्रता सदा होगी। लेकिन एक जन्म के बाद इसके उपयोग का भाव खो जाएगा। स्वतंत्रता मिलते ही, इस जन्म में यदि आपको घटना घट गई परम अनुभव की, तो स्वतंत्रता तो मिल गई। लेकिन जैसा सदा होता है, स्वतंत्रता मिलने के साथ ही स्वतंत्रता के उपयोग की जो भाव-दशा है, वह एकदम नहीं खो जाएगी। उसका उपयोग किया जा सकता है। जो बहुत गहरे जानते हैं, वे कहेंगे, यह भी एक बंधन है। इसलिए जैनों ने, जिन्होंने इस दिशा में सर्वाधिक गहरी खोज की- इसे तीर्थंकर-गोत्रबंध नाम दिया। यह आखिरी बंधन स्वतंत्रता का बंधन है। इसका भी उपयोग कर लेने का मन है। वह भी मन ही है। इसलिए सिद्ध तो बहुत होते हैं, तीर्थंकर सभी नहीं होते।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

जलवायु परिवर्तन के संकट महसूस कीजिए

ज्ञानेन्द्र रावत

अरब सागर में उठे और केरल, कर्नाटक में कोहराम मचाते हुए ताउते नामक चक्रवाती तूफान ने महाराष्ट्र और अब दीव में भारी तबाही मचाई है। करीब 185 किलोमीटर की रफ्तार से चल रही हवाओं से सैकड़ों पेड़ उखड़ कर गिर गये, उनके नीचे वाहन, इनसान और जीव-जंतु दब गये। हज़ारों घर क्षतिग्रस्त हुए। तकरीबन 184-186 मिलीमीटर बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ। यातायात प्रभावित हुआ, हवाई उड़ानें ठप रहीं। मुंबई हवाई अड्डा ग्यारह घंटे बंद रहा। बहुतेरे कोविड सेंटर भी तबाह हो गये। दरअसल, बीते साल मई में आये अम्फान तूफान, जून में आये निसर्ग तूफान और नवम्बर में आये निवार तूफान, जिसने तमिलनाडु में भारी तबाही मचाई थी, से भी अधिक भयावह यह ताउते तूफान है। वैज्ञानिकों ने इसे गंभीर तूफान करार दिया है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और तेज हवाओं की भयंकर गति का इसे भयावह बनाने में अहम योगदान है, जिसने सात राज्यों को अपनी चपेट में ले लिया है। दरअसल जलवायु परिवर्तन आज एक ऐसी अनसुलझी पहेली है, जिससे हमारा देश ही नहीं, समूची दुनिया जूझ रही है। जलवायु परिवर्तन और इससे पारिस्थितिकी में आये बदलाव के चलते जो अप्रत्याशित घटनाएं सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए इस बात की प्रबल संभावना है कि इस सदी के अंत तक धरती का काफी हद तक स्वरूप ही बदल जायेगा। इस विनाश के लिए जल, जंगल और जमीन का अति दोहन जिम्मेवार है। बढ़ते तापमान ने इसमें अहम भूमिका निबाही है। वैश्विक तापमान में यदि इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो इस बात की चेतावनी तो दुनिया के शोध अध्ययन बहुत पहले ही दे चुके हैं कि आने वाले समय में दुनिया में 2005 में दक्षिण अमरीका में तबाही मचाने वाले कैटरीना नामक तूफान से भी भयानक तूफान आयेंगे। सूखा और बाढ़ जैसी घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी। जहां तक तूफानों का सवाल है, समुद्र के तापमान में बढ़ोतरी होने से स्वाभाविक तौर पर तूफान भयंकर उठते हैं क्योंकि वह गर्म समुद्र की ऊर्जा को साथ ले लेते हैं। इससे भारी वर्षा होती है। कारण वैश्विक ताप के कारण हवा में जल वाष्प बन जाता है। तापमान में बढ़ोतरी की रफ्तार इसी गति से जारी रही तो धरती का एक-चौथाई हिस्सा रेगिस्तान में तबदील हो जायेगा। दुनिया में भयंकर सूखा पड़ेगा। परिणामतः दुनिया का बीस-तीस फीसदी हिस्सा सूखे का शिकार होगा। इससे दुनिया के 150 करोड़ लोग सीधे प्रभावित होंगे। इसका सीधा असर खाद्यान्न, प्राकृतिक संसाधन और पेयजल पर पड़ेगा। नतीजतन आदमी का जीना मुहाल हो जायेगा। इसके चलते अधिसंख्य आबादी वाले इलाके खाद्यान्न की समस्या के चलते खाली हो जायेंगे और बहुसंख्य आबादी ठंडे प्रदेशों की ओर कूच करने को बाध्य होगी। जिस तेजी से जमीन अपने गुण खोती चली जा रही है, उसे देखते हुए अनुपजाऊ जमीन ढाई गुणा से भी अधिक बढ़ जायेगी। इससे बरसों से सूखे का सामना कर रहे देश के 630 जिलों में से 233 को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ेगा। कहने का तात्पर्य यह कि देश में पहले से मौजदू सूखे के संकट में और इजाफा होगा। निष्कर्षतः बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिए खेती के अलावा दूसरे संसाधनों पर निर्भरता बढ़ जायेगी। इससे खाद्यान्न तो प्रभावित होगा ही, अर्थव्यवस्था पर भी भारी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऐसी स्थिति में जल संकट बढ़ेगा। खाद्यान्न उत्पादन में कमी आयेगी, ध्रुवों की बर्फ पिघलेगी, नतीजतन दुनिया के कई देश पानी में डूब जायेंगे। समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा और समुद्र किनारे के सैकड़ों की तादाद में बसे नगर-महानगर जलमग्न तो होंगे ही, तकरीबन बीस लाख से ज्यादा की तादाद में प्रजातियां सदा के लिए खत्म हो जायेंगी। जीवन के आधार रहे खाद्य पदार्थों के पोषक तत्व कम हो जायेंगे। कहने का तात्पर्य यह कि उनका स्वाद ही खत्म हो जायेगा। खाद्य पदार्थों में पाये जाने वाले विटामिन्स की कमी इसका जीता जागता सबूत है। समस्या यह है कि हम अपने सामने के खतरे को जानबूझ कर नजरअंदाज करते जा रहे हैं जबकि हम भलीभांति जानते हैं कि इसका दुष्परिणाम क्या होगा। यह भी कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण मौसम के रौद्र रूप ने पूरी दुनिया को तबाही के कगार पर ला खड़ा किया है। दरअसल इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारों की इस ओर किसी किस्म की सोच ही नहीं है। वह विकास को पर्यावरण का आधार बनाना ही नहीं चाहती। वर्तमान में यह दुर्दशा प्रकृति और मानव के विलगाव की ही परिणति है। निष्कर्ष यह कि जब तक जल, जंगल और जमीन के अति दोहन पर अंकुश नहीं लगेगा, तब तक जलवायु परिवर्तन से उपजी चुनौतियां बढ़ती ही चली जायेंगी और उस दशा में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष अधूरा ही रहेगा।

विदेशीमुद्रा भंडार 56.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 590.028 अरब डॉलर के रिकॉर्ड ऊंचाई के निकट

बिजनेस डेस्क: देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 मई, 2021 को समाप्त सप्ताह में 56.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 590.028 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 29 अप्रैल 2021 को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 590.185 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर था। सात मई 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्राभंडार 1.444 अरब डॉलर बढ़कर 589.465 अरब डॉलर हो गया था। गत 14 मई 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि मुख्य तौर पर विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां बढ़ने से हुई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक तौर पर जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां सप्ताह के दौरान 37.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 546.87 अरब डालर हो गईं। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां डालर में व्यक्त की जाती हैं। इसमें डालर के अलावा यूरो, पाउंड और येन में अंकित सम्पत्तियां भी शामिल हैं। विदेशी मुद्रा परिसम्पत्ति सकल विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा हैं। आलोच्य सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 17.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 36.654 अरब डालर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में विशेष निकासी अधिकार (एसडीआर) 20 लाख डॉलर बढ़कर 1.506 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आईएमएफ के पास देश का आरक्षित भंडार एक करोड़ डॉलर बढ़कर 4.999 अरब डॉलर हो गया।

गेहूं की खरीद पिछले वर्ष से 17प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली: सरकारी एजेंसियों ने चालू सत्र में 3.82 करोड़ टन से अधिक गेहूं की खरीद की है। यह पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। शुक्रवार को जारी एक एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कार्यक्रम के अंतर्गत 20 माई तक 39.55 लाख किसानों से 75,514.61 करोड़ रुपए का गेहूं खरीदा गया। पिछले साल इसी अवधि में करीब 3.25 करोड़ टन गेहूं खरीदा गया था। बयान के मुताबिक मौजूदा खरीफ विपणन सत्र 2020-21 और रबी विपणन सत्र में 113.30 लाख किसानों से लगभग 760.06 लाख टन धान खरीदा गया है। इसके अलावा नोडल एजेंसियों के माध्यम से 6,76,103.57 टन दलहन और तिलहन खरीदा गया है, जिससे 4,04,224 किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिला है विज्ञप्ति के मुताबिक गेहूं की खरीद उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर राज्यों में सुचारु रूप से जारी है।

एमएसएन लैबोरेटरीज ने ब्लैक फंगस में उपयोगी दवा पोसाकोनाजोल पेश की

हैदराबाद। एमएसएन लैबोरेटरीज ने ब्लैक फंगस (म्यूकोरमाइकोसिस) मरीजों के इलाज में उपयोगी पोसाकोनाजोल पेश किये जाने की घोषणा की। यह दवा फंफूदी नाशक ट्राइजोल श्रेणी की है। कंपनी के अनुसार एमएसएन ने पोसा वन ब्रांड नाम से 100 एमजी में टैबलेट और 300 एमजी क्षमता में इंजेक्शन पेश किए हैं। इसे ब्लैक फंगस से पीड़ित मरीजों के उपचार में उपयोगी पाया गया है। दवा कंपनी ने कहा कि एमएसएन के फंफूदी निरोधक दवाओं के क्षेत्र में अनुसंधान और विनिर्माण क्षमता का यह नतीजा है। कंपनी ने अब अपने मजबूत वितरण नेटवर्क के जरिये इसे देश भर में मरीजों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। पोसा वन को भारतीय औषधि महानियंत्रक से मंजूरी मिल गई है।

2021 के अंत तक भारत में 35 प्रतिशत से भी कम लोगों का हो पाएगा टीकाकरण: आईएमएफरिपोर्ट

वाशिंगटन (एजेंसी):

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने भारत में कोविड-19 की 'विनाशकारी' दूसरी लहर को आगे आने वाले समय में और बुरे संकट का संकेत बताया है और कहा है कि इस देश के हालात उन गरीब और मध्य आय वाले देशों में के लिए चेतावनी हैं जो अभी तक इस महामारी से बचे हैं। आईएमएफ के अर्थशास्त्री रुचिर अग्रवाल और संगठन की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ द्वारा लिखी गई एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्तमान गति से भारत में 2021 की समाप्ति तक 35 प्रतिशत से कम लोगों को ही टीका लगने की उम्मीद है। शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया, 'ब्राजील के बाद कोविड19 की भारत में जारी विध्वंसक दूसरी लहर इस बात का संकेत है कि विकासशील देशों में आगे और भी बुरी स्थिति आ सकती है। इसमें कहा गया कि जहां कोविड की पहली लहर से निपटने में भारत की स्वास्थ्य प्रणाली काफी हद तक सफल रही, इस बार स्वास्थ्य प्रणाली पर इतना बोझ पड़ा है कि लोग ऑक्सीजन, अस्पताल के बिस्तर और चिकित्सीय सेवा जैसी चिकित्सीय आपूर्तियों की कमी से मर रहे हैं। संगठन ने कहा, भारत की

स्थिति महामारी के निम्न और मध्य आय वाले उन देशों के लिए संभावित संकट की चेतावनी है जो अभी इससे बचे हुए हैं।' रिपोर्ट के अनुसार टीके की मौजूदा द्विपक्षीय खरीद और कोवैक्स के जरिए मिलने वाले टीकों से 2022 की पहली छमाही तक भारत की करीब 25 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण हो जाएगा लेकिन अपनी 60 प्रतिशत आबादी के टीकाकरण के लिए भारत को उन संपर्कों के जरिए करीब एक अरब टीके के पर्याप्त ऑर्डर देने होंगे जो अतिरिक्त क्षमता में निवेश को बढ़ावा देते हैं।

पंजाब एंड सिंध बैंक को चौथी तिमाही में 161 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली: पंजाब एंड सिंध बैंक को मार्च 2021 में समाप्त हुई तिमाही में 160.79 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ। सरकारी बैंक ने शनिवार को नियामकीय सूचना में बताया कि उसे वित्तीय वर्ष 2019-20 की जनवरी-मार्च तिमाही में 236.30 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। वित्तीय वर्ष 2020-21 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में भी उसे 2,375.53 करोड़ रुपए का भारी भरकम शुद्ध घाटा हुआ था। पूरे वित्तीय वर्ष 2020-21 में बैंक को 2,732.90 करोड़ का शुद्ध घाटा हुआ जो वित्तीय वर्ष 2019-20 में हुए 990.80 करोड़ रुपए के शुद्ध घाटे से कहीं ज्यादा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही में बैंक की कुल आय वित्तीय वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही के 8,826.92 करोड़ रुपए से 10.7 प्रतिशत गिरकर 7,876.72 करोड़ रुपए हो गई। बैंक की गैर निष्पादित संपत्तियां (एनपीए) मार्च 2021 तिमाही में 13.76 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बनी रही। मार्च 2020 तिमाही में एनपीए का स्तर 14.18 प्रतिशत था। मूल्य के लिहाज से वित्तीय वर्ष 2020-21 की समाप्ति पर यह 9,334 करोड़ रुपए था जबकि एक साल पहले यह 8,874.57 करोड़ रुपए था।

हीरो मोटोकॉर्प 24 मई से उत्पादन फिर से शुरू करेगी

नई दिल्ली: प्रमुख दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने शनिवार को कहा कि वह सोमवार से भारत में अपने सभी विनिर्माण संयंत्रों में उत्पादन फिर से शुरू करेगी। कोरोना वायरस महामारी की वजह से इन कारखानों में विनिर्माण कार्य अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, कंपनी ने हरियाणा के गुरुग्राम और धारूहेड़ा और उत्तराखंड के हरिद्वार में अपने तीन संयंत्रों में काम आंशिक फिर से शुरू किया था। इसने 22 अप्रैल से 2 मई के बीच अलग अलग चार दिन भारत में अपने सभी छहो संयंत्रों में अस्थायी रूप से परिचालन बंद रखा था। बाद में इस बंद की अवधि को 16 मई तक बढ़ा दिया गया था। कंपनी ने एक बयान में कहा, हीरो मोटोकॉर्प 'भारत में अपने सभी विनिर्माण संयंत्रों में सोमवार, 24 मई से उत्पादन धीरे-धीरे फिर से शुरू करने की ओर अग्रसर है।'' भारत में हीरो मोटोकॉर्प के अन्य तीन संयंत्र - राजस्थान के नीमराना, गुजरात के हलोल और आंध्र प्रदेश के चित्तूर में हैं। वहां भी 24 मई से एक शिफ्ट में परिचालन शुरू होगा। हरियाणा के गुरुग्राम और धारूहेड़ा और उत्तराखंड के हरिद्वार में 17 मई से इसके तीन संयंत्रों में एकल पाली में काम शुरू हो चुका है। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि नीमराना में ग्लोबल पार्ट्स सेंटर (जीपीसी) भी 24 मई से चालू हो जाएगा।

1.5 करोड़ कर्मचारियों को मोदी सरकार का तोहफा, वैरिएबल डीए में की बढ़ोतरी

(एजेंसी):

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को केंद्रीय क्षेत्र में 1.5 करोड़ से अधिक कामगारों के परिवर्तनीय महंगाई भत्ता (वैरिएबल डीए) 105 रुपए से बढ़ाकर 210 रुपए प्रति महीना करने की घोषणा की। यह वृद्धि एक अप्रैल, 2021 से लागू होगी। इससे केंद्रीय क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों और कामगारों का न्यूनतम वेतन की दर में भी वृद्धि होगी। यह केंद्र सरकार के विभिन्न अनुसूचित रोजगारों से जुड़े कर्मचारियों के लिए है। अनुसूचित रोजगार के लिए निर्धारित दरें केंद्र सरकार के अंतर्गत आने वाले रेलवे प्रशासन, खदानों, तेल क्षेत्रों, प्रमुख बंदरगाहों या केंद्र सरकार द्वारा स्थापित किसी भी निगम के प्राधिकरण के तहत प्रतिष्ठानों पर लागू होती हैं। ये दरें ठेके और अस्थायी दोनों तरह के कर्मचारियों/कामगारों के लिए भी समान रूप से लागू होती हैं। इस बारे में मुख्य श्रम आयुक्त डी पी एस नेगी ने कहा, ''केंद्र सरकार के विभिन्न अनुसूचित रोजगारों से जुड़े कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता 105 रुपए से बढ़ाकर 210 रुपए महीना किया गया है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि उसने संशोधित वैरिएबल डीए एक अप्रैल, 2021 से अधिसूचित किया है। बयान के अनुसार इससे केंद्र सरकार के विभिन्न अनुसूचित रोजगारों से जुड़े कामगारों को ऐसे समय लाभ होगा जब देश कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है।

वैरिएबल डीए औद्योगिक कर्मचारियों के लिए औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर संशोधित किया जाता है। इसका संकलन श्रम ब्यूरो करता है। वैरिएबल डीए में संशोधन के लिए जुलाई से दिसंबर 2020 के औसत सीपीआई-आईडब्ल्यू का उपयोग किया गया है। केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने कहा, ''इस कदम से देश के उन करीब 1.50 करोड़ श्रमिकों को लाभ मिलेगा जो केंद्र सरकार के विभिन्न अनुसूचित रोजगारों से जुड़े हैं। वैरिएबल डीए में बढ़ोतरी से उन्हें इस महामारी के मुश्किल वक्त में मदद मिलेगी।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह बाजार में दो दिन गिरावट, तीन दिन तेजी रही

- सेंसेक्स 975.62 अंक बढ़कर 50540.48 पर बंद

- निफ्टी 269.25 अंक बढ़कर 15175.30 पर बंद

मुंबई (एजेंसी)।

बैंकिंग एवं वित्त क्षेत्र की कंपनियों के साथ ही दूसरी कंपनियों के शेयरों में भी हुई जोरदार लिवाली से सप्ताह के आ खिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी तेजी रही। पिछले सप्ताह शेयर बाजार सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को तेजी और बुधवार और गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 300.45 अंक की तेजी के साथ 49,033 पर पर खुला और 848.18 अंक ऊपर 49580.73 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 75.60 अंक बढ़कर 14,753.40 पर खुला और 245.35 अंक की तेजी के साथ 14923.15 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 462.60 अंकों (0.93 फीसदी) की तेजी के साथ 50043.33 के स्तर पर खुला और 612.60 अंक ऊपर 50193.33 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 148.30 अंक ऊपर 15071.50 के स्तर पर खुला और 184.95 अंक की तेजी के साथ 15108.10 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 113.20 अंकों की गिरावट के साथ 50080.13 के स्तर पर खुला और 290.69 अंक नीचे 49902.64 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 32.90 अंक नीचे 15075.20 के स्तर पर खुला और 77.95 अंक की गिरावट के साथ 15030.15 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को सेसेंक्स 166.37 अंक की बढ़त के साथ 50,069.01 के स्तर पर खुला और 337.78 अंक नीचे 49564.86 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 14.20 अंक की मजबूती के साथ 15,044.35 के स्तर पर खुला और 124.10 अंक की गिरावट के साथ 14906.05 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 408.56 अंक बढ़कर 49,973.42 पर खुला और 975.62 अंक (1.97 फीसदी) ऊपर 50540.48 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 119.35 अंक बढ़कर 15,025.40 पर खुला और 269.25 अंक (1.81 फीसदी) की तेजी के साथ 15175.30 के स्तर पर बंद हुआ।

म्यूकरमाइकोसिस की दवा के लिए पांच और कंपनियों को मिला लाइसेंस

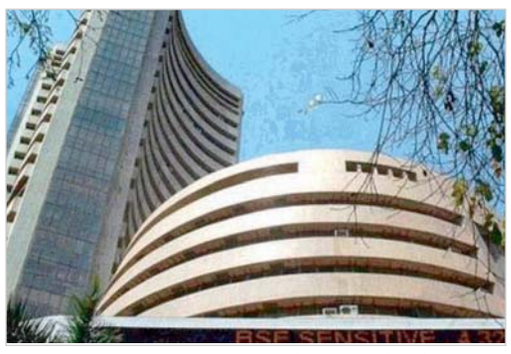

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ब्लैक फंगस से उत्पन्न होने वाले रोग म्यूकरमाइकोसिस के उपचार में काम आने वाली दवा 'एंफोटेरिसिन-बी' के उत्पादन के लिए पांच और कंपनियों को लाइसेंस दिया गया है तथा वे जुलाई से हर महीने इस दवा की 1,11,000 शीशियों का उत्पादन शुरू करेंगी। मंत्रालय ने कहा कि फंगस रोधी दवा की घरेलू उपलब्धता के अलावा इस दवा के आयात के प्रयास भी किए जा रहे हैं और मई में 'एंफोटेरिसिन-बी' की 3,63,000 शीशियों का आयात किया जाएगा। इसके साथ ही देश में दवा की कुल 5,26,752 शीशियां उपलब्ध होंगी। इसने कहा कि जून में दवा की 3,15,000 शीशियों का आयात किया जाएगा और घरेलू उत्पादन को मिलाकर देश में जून में 'एंफोटेरिसिन-बी' की उपलब्धता बढ़कर 5,70,114 शीशियों तक पहुंच जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि हाल के दिनों में कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कोविड-19 संबंधी जटिलताओं से पीड़ित लोगों को म्यूकरमाइकोसिस होने के मामलों वृद्धि की खबरें मिली हैं। इसने कहा कि 'एंफोटेरिसिन-बी' दवा की कमी होने की भी खबरें मिली हैं। इसमें कहा गया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, औषध विभाग और विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर इस दवा के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए सक्रिय ढंग से प्रयास कर रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी: नहीं कर सकेंगे बैंक खाते से पेमेंट ट्रांसफर

-वाइजर एक्स ने कहा-पेटीएम बैंक एकाउंट ऑपरेशनल नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अगर आप बिटकॉइन या अन्य क्रिप्टोकरेंसी खरीदने और बेचने के लिए क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज ऐप वाइजर एक्स का इस्तेमाल करते हैं, तो आपके लिए अब बैंक ट्रांसफर से पेमेंट करने की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। वाइजर एक्स ने कहा है कि पेटीएम बैंक एकाउंट अब ऑपरेशनल नहीं होगा। यानी बैंक एकाउंट से एनईएफटी या आईएमपीएस का इस्तेमाल कर पेमेंट ट्रांसफर नहीं की जा सकेगी। यूजर्स को बैंक ट्रांसफर की सुविधा तब तक नहीं मिल सकेगी जब तक वाइजर एक्स बैंक ट्रांसफर और डिपॉजिट ऑप्शंस के लिए एक नया बैंकिंग पार्टनर नहीं खोज लेता। वाइजर एक्स पर ट्रेडिंग के लिए अब केवल वाइजर एक्स पी2पी का इस्तेमाल किया जा सकेगा जिससे आपको अन्य सेलर्स या बायर्स के साथ ट्रेडिंग करने की सुविधा मिलती है। देश में बैंकिंग इंस्टीट्यूशंस क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों के साथ बिजनेस करने से बचते हैं।

यूपीआई पेमेंट्स सिस्टम चलाने वाले नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने देश में क्रिप्टोकरेंसी ट्रांजैक्शंस पर बैन लगाने से मना किया है।

इसके बजाय उसने बैंकों से इन ट्रांजैक्शंस को लेकर अपनी गाइडलाइंस बनाने को कहा है। खबर है कि सरकार ट्रेड को रेगुलेट कर सकती है।

सेबी ने इंडियाबुल्स वेंचर अधिकारियों पर कुल 1.05 करोड़ का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी):

बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को इंडियाबुल्स वेंचर और उससे जुड़े कुछ व्यक्तियों पर बाजार नियमों का उल्लघंन करने के मामले में शुक्रवार को कुल 1.05 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। कंपनी फिलहाल धानी सर्विसेज के नाम से काम कर रही है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडियाबुल्स की पूर्व गैर-कार्यकारी निदेशक पिया जॉनसन उनके पति मेहुल जॉनसन पर भेदिया कारोबार निषेध (पीआईटी) नियमों का उल्लंघन करने पर 25-25 लाख का जुर्माना लगाया है। नियामक ने मूल्य संबंधी अप्रकाशित संवेदनशील जानकारी जारी करने की अवधि के दौरान इस शेयर का कारोबार करने के मामले में उन पर यह जुर्माना लगाया है। पिया और मेहुल ने इससे 69.09 लाख रुपये का सामूहिक लाभ कमाया था। सेबी के अनुसार इस मामले की जांच जनवरी-नवंबर 2017 के बीच की गई। एक अन्य आदेश में सेबी ने इंडियाबुल्स वेंचर पर संबंधित अवधि में बाजार में शेयर की खरीद फरोख्त पर रोक की सूचना जारी न करने के लिए पचास लाख रुपये और उसके सचिव ललित शर्मा पर बाजार को कारोबार बंद रखने की निगरानी नहीं करने को लेकर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

कोका-कोला और पेप्सी जैसी सॉफ्टड्रिंक कंपनियों पर कोरोना की मार! इस साल भी कम रहेगी इनकम

(एजेंसी):

पेप्सी और कोका-कोला जैसी प्रमुख सॉफ्टड्रिंक कंपनियों की आय के वित्त वर्ष 2021-22 में महामारी से पहले के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद कम है। इसकी वजह है कि कोविड-19 की दूसरी लहर खपत को प्रभावित करेगी। क्रिसिल रेटिंग की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2020-21 में गर्मियों के मौसम में लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के चलते आय करीब 20 प्रतिशत घटी थी और आय वित्त वर्ष 2021-22 में भी महामारी से पहले के स्तर के मुकाबले 10 प्रतिशत कम रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया कि गैर-मादक पेय उद्योग में पेप्सी और कोका-कोला जैसी अमेरिकी कंपनियों का दबदबा बरकरार है, जिसकी कुल बाजार हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। एजेंसी ने कहा, ''पिछले वित्त वर्ष के दौरान एक सख्त देशव्यापी लॉकडाउन और उसके बाद अप्रैल-सितंबर में सीमित प्रतिबंधों ने व्यस्त सत्र की मांग को गंभीर रूप से प्रभावित किया।''

राज्य स्तरीय लॉकडाउन और प्रतिबंध बिक्री को कर रहे प्रभावित

क्रिसिल रेटिंग के निदेशक नितेश जैन ने कहा कि महामारी की दूसरी लहर को रोकने के लिए स्थानीय लॉकडाउन और अन्य प्रतिबंधों के कारण एक बार फिर व्यस्त सत्र में बिक्री पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि होटल, रेस्टोरेंट और कैफे जैसे स्थानों पर पेय पदार्थों की खपत कुल बिक्री का एक चौथाई हिस्सा है, जो पहली तिमाही में प्रभावित होगी। जैन ने कहा, ÷हालांकि, ये प्रतिबंध इस बार कम कड़े हैं लेकिन पूरे साल की आय अभी भी महामारी से पहले के स्तर से 10 प्रतिशत कम रह सकती है।÷

एक साल में हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम के 15 लाख मामले, जानिए कंपनियों ने कितनी रकम चुकाई

(एजेंसी):

देश में कोरोना की दूसरी लहर में हेल्थ इंश्योरेंस के दावों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। मध्य मई तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो गैर-जीवन बीमा कंपनियों के पास 23 हजार करोड़ रुपए के 14.5 लाख से अधिक क्लेम आए हैं। इसमें से साढ़े चार लाख से ज्यादा यानी एक तिहाई क्लेम 10 अप्रैल से 15 मई के बीच आए। बीमा कंपनियों ने 11.5 हजार करोड़ रुपए से अधिक के लगभग 12 लाख 32 हजार मामलों को निपटा दिया है। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक, 10 अप्रैल तक बीमा कंपनियों के पास 14,821 करोड़ रुपए के 10,14,285 क्लेम आए थे। इनमें से 7,957 करोड़ रुपए के 8,65,968 क्लेम को निपटा दिया गया था। 10 अप्रैल के बाद अचानक क्लेम बढ़ने लगे और 10 अप्रैल से 14 मई के बीच बीमा कंपनियों के पास 4,66,498 नए मामले आए। इनमें से 3,66,306 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। संख्या के हिसाब से 83त्न क्लेम का निपटारा किया गया है, वहीं राशि के हिसाब से केवल 51.38त्न क्लेम निपटाए हैं। राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 8,890 करोड़ रुपए मूल्य के 5,34,859 क्लेम किए गए। इनमें से 3,621 करोड़ रुपए मूल्य के 4,48,953 मामलों का निपटारा किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय मुक्केबाज विनोद तंवर कोविड पॉजिटिव, एशियाई चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली । दक्षिण एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विनोद तंवर (49 किग्रा) को कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद दुबई में एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय पुरुष मुक्केबाजी टीम से हटा लिया गया है। पिछले महीने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बाद स्वदेश लौटने पर तंवर ब्रेक के दौरान अपने घर गए थे। इस हफ्ते पटियाला में पृथकवास के दौरान परीक्षण में 23 साल के तंवर कोविड पॉजिटिव पाए गए जिसके कारण उन्होंने पहली बार इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका गंवा दिया। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने पीटीआई को बताया कि विनोद तंवर का नाम टीम से हटा दिया गया था क्योंकि वह कोविड- 19 के लिए पॉजिटिव पाया गया। महसंघ ने बताया कि तंवर अपने घर में थे और टीम के बाकी सदस्यों के संपर्क में नहीं थे जो जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में थे। टीम प्रबंधन ने किसी वैकल्पिक खिलाड़ी को नहीं ले जाने का फैसला किया और भारत 2021 एएसबीसी एशियाई चैंपियनशिप के 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश नहीं करेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल तटस्थ स्थल पर भारत का पहला टेस्ट होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के खिलाफ साउथेम्प्टन में होने वाला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल भारत के टेस्ट क्रिकेट के 89 साल के इतिहास में तटस्थ स्थान पर उनका पहला टेस्ट होगा।टेस्ट दर्जा रखने वाले देशों में भारत और बांग्लादेश ही ऐसी टीमे हैं जिन्होंने तटस्थ स्थान पर टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। पिछले एक दशक में, अधिकांश अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीमों ने पाकिस्तान के खिलाफ तटस्थ स्थान पर सीरीज खेली है क्योंकि पाकिस्तान में क्रिकेट का आयोजन नहीं हो रहा था। पाकिस्तान के साथ सीरीज ज्यादातर संयुक्त अरब अमीरात में हुई थी। 2009 की शुरूआत में जब श्रीलंकाई क्रिकेट टीम पर बंदूकधारियों ने हमला किया था, तब से 10 साल तक कोई भी देश पाकिस्तान नहीं गया।चूंकि भारत ने 2007-08 की घरेलू सीरीज के बाद पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच नहीं खेला है, इसलिए उन्हें तटस्थ स्थान पर कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला है।भारत को 1999-00 में एशियाई टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान तटस्थ स्थान पर खेलने का मौका मिला था। फाइनल ढाका में खेला गया था लेकिन भारत उस तक पहुंचने में असफल रहा और पाकिस्तान तथा श्रीलंका ढाका में खिताबी भिड़ंत में शामिल थे। साउथेम्प्टन में डब्ल्यूटीसी फाइनल हालांकि स्सम्भवत= 4,000 की भीड़ के सामने खेला जाएगा और

इसमें बहुत सारे भारतीय प्रशंसक हो सकते हैं।

पलक कोहली ने टोक्यो पैरालम्पिक के लिए किया क्वालीफाई

बनी भारत की पहली पैरा शटलर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की 18 वर्षीय पलक कोहली ने टोक्यो पैरालम्पिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है और इसके साथ ही वह पैरालम्पिक के लिए क्वालीफाई करने वाली सबसे युवा पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी बन गयी हैं। पलक ने एस एल3- एसयू 5 महिला युगल स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है। पलक ने अनुभवी पारुल परमार के साथ यह योग्यता हासिल की है। स्पैनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2021 की समाप्ति के बाद यह घोषणा की गई। हालांकि कोविड यात्रा दिशा निर्देशों के चलते भारतीय दल इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाया। जालंधर में जन्मी पलक ने 18 साल की उम्र में अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण के बलबूते पैरालम्पिक में जगह बनाई है। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर मौजूद पलक और पारुल इन खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की पहली पैरा शटलर्स बन गई हैं। पैरा बैडमिंटन इस वर्ष पैरालम्पिक में अपना पदार्पण करेगा। पलक ने पैरालम्पिक में जगह बनाने की खबर मिलते ही कहा कि मुझे आज आधिकारिक जानकारी मिली और मैं इस खबर को सुनकर बहुत रोमांचित हूं। पलक और पारुल मौजूदा समय में लखनऊ स्थित गौरव खन्ना एक्सकेलिया बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करती हैं जो भारत की पहली प्रोफेशनल पैरा बैडमिंटन अकादमी है।

शापोवालोव और कास्पर रूड जेनेवा ओपन के फाइनल में

जेनेवा । डेनिस शापोवालोव और कास्पर रूड ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके जेनेवा ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त शापोवालोव ने इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पाब्लो कुइवास को 6-4, 7-5 से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त रूड ने पाब्लो एंडुजार को 6-3, 6-2 से हराया। इस तरह से 22 वर्ष के दो खिलाड़ियों ने अपने 35 वर्षीय प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया। स्पेन के एंडुजार ने इससे पहले 39 वर्षीय दिग्गज रोजर फेडरर और 18 वर्षीय स्विस खिलाड़ी डोमिनिक स्ट्रीकर को हराया था। शापोवालोव और रूड दोनों एटीपी टूर में पहली बार आमने सामने होंगे। ये दोनों अपने करियर के दूसरे खिताब के लिये एक दूसरे से भिड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की पूर्व खिलाड़ी ने दिया बयान, महिलाओं की सीरीज का नाम भी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जैसा हो

मेलबर्न (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया की पूर्व महिला क्रिकेटर मेल जोन्स ने सुझाव दिया है कि भारत और आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के बीच होने वाली श्रृंखला को महिला क्रिकेट की दिग्गजों के नाम पर स्थाई ट्रॉफी मिलनी चाहिए जैसे पुरुष टीमों की श्रृंखला के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की महिला समिति की भी सदस्य जोन्स का यह बयान भारतीय महिला टीम के सितंबर-अक्तूबर में होने वाले आस्ट्रेलिया के दौरे से पहले आया है। इस दौरे पर भारत को एक टेस्ट (दिन-रात्रि), तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं। जोन्स ने कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तरह कुछ होना शानदार होगा, लेकिन यह अतीत में जो हुआ उसका पुरुष नजरिया है। इसलिए हमें यह महिलाओं के खेल में अपने तरीके से करना चाहिए और शायद कुछ अलग चीज की जा सकती है। पुरुष और महिला टीमों के बीच होने वाली एशेज ट्रॉफी से जुड़ी इतनी सारी शानदार कहानियां हैं और शायद हम कुछ और विशेष तैयार कर सकते हैं जिसके बारे में अगले 100 साल में उसकी तरह बात होगी जैसे एशेज के बारे में होती है। आस्ट्रेलिया की ओर से पांच टेस्ट और 61 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाली 48 साल की जोन्स ने कहा कि इस तरह की ट्रॉफी के जरिए दोनों देशों के बीच महिला क्रिकेट का इतिहास और इससे जुड़े लोगों की कहानियां बयां करना शानदार होगा। जोन्स ने कहा कि इस तरह की ट्रॉफी के लिए सोशल मीडिया के जरिए जनता का फैसला लेना शायद सर्वश्रेष्ठ रहेगा। उन्होंने इस ट्रॉफी के संदर्भ में शांता रंगास्वामी और मारग्रेट जेनिंग्स जैसी दिग्गजों के नाम लिए। भारत और आस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच पहला टेस्ट जनवरी 1977 में वाका में खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 147 रन से जीता था। इस मैच में शांता ने भारत जबकि मारग्रेट ने आस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। दोनों टीमों के बीच सीमित ओवरों का पहला मैच महिला विश्व कप के दौरान 1978 में पटना में खेला गया था और उसे भी आस्ट्रेलिया ने 71 रन से जीता। इस मैच में भी आस्ट्रेलिया की कप्तान मारग्रेट ही थी जबकि भारत की अगुआई डायना एडुल्जी कर रही थी।

संक्षिप्त समाचार

क्रिप्टो कप शतरंज - कार्लसन और नेपोम्नियची मुक़ाबले पर नजर

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैम्पियन चैस टूर के सातवें पड़ाव और अब तक के सबसे मजबूत टूर्नामेंट माने जा रहे क्रिप्टो कप शतरंज मे रविवार रात विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन और आने वाली विश्व चैम्पियनशिप मे उनके ताज को चुनौती देने जा रहे रूस के इयान नेपोंनियची के बीच दूसरे राउंड मे मुक़ाबला होगा जिस पर सबकी नजरे टिकी है क्यूंकी नेपोंनियची के चैलेंजर बनने के बाद यह पहला मौका है जब दोनों खिलाड़ी आमने सामने होंगे । प्रतियोगिता मे इस बार दुनिया के सभी टॉप 10 खिलाड़ी खेल रहे है साथ ही 6 अन्य खिलाड़ियों को मौका दिया गया है । रैपिड मुकाबलों मे 10 मिनट +15 सेकंड प्रति चाल के हिसाब से सभी खिलाड़ी राउंड रॉबिन आधार पर 15 राउंड खेलेंगे और इसके बाद शीर्ष 8 खिलाड़ी अगले दौर मे पहुँच जाएँगे । अगले माह जून मे जहां इंडियन ओपन मे चार भारतीय टूर मे नजर आएंगे तो इस टूर्नामेंट मे कोई भी भारतीय खिलाड़ी नहीं खेल रहे है । कार्लसन और नेपोम्नियची के अलावा ,यूएस के फबियानों करूआना ,लेवोन अरोनियन , वेसली सो और हिकारु नाकामुरा , रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक ,डेनियल डुबोव ,पीटर स्वीडलर , नीदरलैंड के अनीश गिरि ,अजरबैजान के ममेद्यारोव और तैमूर रद्जाबोव ,फ्रांस के मकसीम लागरेव ,फीडे के अलीरेजा फिरौजा और अर्जेन्टीना के आलोन पीचोट भी प्ले ऑफ मे जगह बनाने की भरपूर कोशिश करेंगे ।

फीफा प्रमुख ने दिए संकेत, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में होगा बदलाव

जेनेवा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इंफेनटिनो ने महासंघों की बैठक में आगामी वर्षों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बड़े बदलावों के संकेत दिए। फीफा ने पुरुष और महिला विश्व कप का आयोजन हर चार साल के बजाय दो साल में करने के प्रस्ताव का अध्ययन करने पर सहमति जता दी है। सऊदी अरब ने हर दो साल में विश्व कप के आयोजन का प्रस्ताव रखा था। इस तरह का सुझाव इससे पूर्व 20 साल पहले फीफा के तत्कालीन अध्यक्ष सेप ब्लाटर ने रखा था लेकिन तब इस गंभीरता से नहीं लिया गया था। इंफेनटिनो और उनके साथियों ने सुझाव को फिर से जीवंत किया जो कि अधिक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की वकालत करते रहे हैं। शुक्रवार को महिला और युवा प्रतियोगिताओं की समीक्षा करने पर सहमति जाहिर की। प्रत्येक दो साल में विश्व कप का आयोजन करने से यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूएफा की नेशन लीग प्रभावित होगी। इससे हर चार साल में होने वाली यूरोपीय चैंपियनशिप की व्यावसायिक स्थिति भी प्रभावित हो सकती है। इंफेनटिनो ने सुपर लीग जैसी नई परियोजनाओं पर क्लबों के साथ बात करने का भी बचाव किया। इस लीग के कारण यूएफा में पिछले महीने कोहराम मच गया था और आखिर में यह योजना ठंडे बस्ते में डालनी पड़ी थी। फीफा के 211 सदस्य महासंघों की आनलाइन बैठक के दौरान इंफेनटिनो ने कहा कि खेल में यूरोप और दक्षिण अमेरिका का मैदान के अंदर और बाहर का दबदबा समाप्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पैसे और खिलाड़ियों के कौशल का दबदबा है जो कि खेल के वैश्विक विकास के लिए सही नहीं है। हम इस अनदेखा नहीं कर सकते हैं।

अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड ने मेजर लीग क्रिकेट को दोबारा स्थगित किया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड के सदस्यों ने कोरोना महामारी के कारण अपने यहां इस वर्ष लॉन्च होने वाले मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) टी-20 टूर्नामेंट को 2023 तक स्थगित करने की घोषणा की है। इस लीग को दूसरी बार टाला गया है, हालांकि अमेरिकी क्रिकेट अधिकारियों का दावा है कि 2023 में छह टीमों के साथ लीग शुरू होने से पहले वह 2022 में एमएलसी टी-20 प्रदर्शनी मैच का आयोजन करने में सफल होंगे। गत वर्ष दिसंबर में यह खबर आई थी कि कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान ने अमेरिका की लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स टीम में निवेश किया है। वहीं कुछ महीने पहले अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड और एमएलसी ने संयुक्त रूप से इस लीग के निवेशकों की सूची के संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की थी।

इसके मुताबिक कोलकाता नाइट राइडर्स समूह ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई थी, जिसकी आईपीएल और सीपीएल में भी टीमें हैं।अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में लॉस एंजेलिस के अलावा न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, वॉशिंगटन डीसी, शिकागो, डलास की टीम शामिल है। अमेरिकी क्रिकेट ने गत रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित वार्षिक आम बैठक के दौरान शुरू की गईं योजनाओं के हिस्से के रूप में चार नई घास वाली विकेट की सुविधा उपलब्ध कराने और अगस्त माह में सीनियर और अंडर-19 महिला टीमों के लिए घरेलू राष्ट्रीय चैंपियनशिप शुरू करने की योजना बनाने की घोषणा की है। वहीं अमेरिकी बोर्ड के दो सदस्यों द्वारा पांच साथी बोर्ड सदस्यों और सीईओ इयान हिगिंस के खिलाफ लंबित कानूनी कार्रवाई को पुरुष राष्ट्रीय टीम के केंद्रीय अनुबंध वेतन में कटौती को जिम्मेदार ठहराया है।

हालेप पिंडली में चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटी

बुकारेस्ट (एजेंसी) ।

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज टेनिस खिलाड़ी सिमोना हालेप ने पिंडली की चोट के कारण शनिवार को फ्रेंच ओपन से अपना नाम वापस ले लिया। रोमानिया की 29 साल की यह खिलाड़ी 2018 में रोला गैरों (फ्रेंच ओपन) में चैम्पियन बनी थी। इटैलियन ओपन के दौरान उनकी पिंडली की मांसपेशियों में चोट लगी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें चोट से उबरने में अभी समय लगेगा। फ्रेंच ओपन 30 मई से शुरू होगा। हालेप ने कहा कि एक ग्रैंडस्लैम से हटना एक एथलीट के रूप में मेरी सभी सोच और आकांक्षाओं के खिलाफ है, लेकिन मेरे लिए यह सही और एकमात्र फैसला है। हालेप फ्रेंच ओपन में तीन बार की फाइनलिस्ट हैं। उन्होंने पेरिस में 2018 के फाइनल में स्लोएन स्टीफंस को हराकर अपना पहला बड़ा एकल खिताब जीता। उन्होंने कहा कि पेरिस में नहीं जाने की सोच से मुझे दुख होता है, लेकिन मैं अपनी ऊर्जा को ठीक होने, सकारात्मक रहने में इस्तेमाल करना चाहती हूं। मैं जब भी सुरक्षित हो, खेल में वापसी की कोशिश करूंगी। वह विम्बलडन की मौजूदा चैम्पियन हैं। उन्होंने 2019 में इस खिताब को जीता था जबकि कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में टूर्नामेंट रद्द हो गया था। इस साल विम्बलडन का आयोजन 28 जून से प्रस्तावित है।

शापोवालोव और कास्पर रूड जेनेवा ओपन के फाइनल में

जेनेवा । डेनिस शापोवालोव और कास्पर रूड ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके जेनेवा ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त शापोवालोव ने इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पाब्लो कुइवास को 6-4, 7-5 से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त रूड ने पाब्लो एंडुजार को 6-3, 6-2 से हराया। इस तरह से 22 वर्ष के दो खिलाड़ियों ने अपने 35 वर्षीय प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया। स्पेन के एंडुजार ने इससे पहले 39 वर्षीय दिग्गज रोजर फेडरर और 18 वर्षीय स्विस खिलाड़ी डोमिनिक स्ट्रीकर को हराया था। शापोवालोव और रूड दोनों एटीपी टूर में पहली बार आमने सामने होंगे। ये दोनों अपने करियर के दूसरे खिताब के लिये एक दूसरे से भिड़ेंगे।

कप्तान मनप्रीत सरीखों से गुर सीख रहे हैं हॉकी टीम के मिडफील्डर जसकरण

बेंगलुरू (एजेंसी) ।

भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्डर जसकरण सिंह ने कहा कि वह कप्तान मनप्रीत सिंह जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों से इस खेल के गुर सीख रहे हैं और उन्हें तोक्यो ओलंपिक टीम में जगह बनाने की उम्मीद है। हॉकी ओलंपियन और पूर्व भारतीय कोच राजिंदर सिंह जूनियर के पुत्र जसकरण अभी आगामी तोक्यो ओलंपिक के लिये यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में पुरुष सीनियर कोर ग्रुप के साथ अभ्यास कर रहे हैं। मनप्रीत, स्ट्राइकर मनदीप सिंह और जसकरण सभी पंजाब के जालंधर शहर के रहने वाले हैं। जसकरण ने कहा कि हमारे घर दो-तीन किमी के दायरे में हैं। ये दोनों मेरी काफी मदद करते हैं। मिडफील्डर और स्ट्राइकर के बीच अच्छी समझ होना महत्वपूर्ण होता है और मुझे लगता है कि हमारे बीच समझ नैसर्गिक तौर पर पैदा हो जाती है क्योंकि हम लंबे समय से एक साथ खेल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2019 में पदार्पण करने वाले इस मिडफील्डर ने कहा कि यहां तक कि मनप्रीत और टीम के अन्य वरिष्ठ खिलाड़ी मेरा मार्गदर्शन करते रहे हैं। जब भी मुझे कोई संदेह होता है तो मैं उनसे बात करता हूं। जसकरण हाल में अपने तीसरे अंतरराष्ट्रीय दौरे पर अर्जेंटीना गये थे। उन्होंने इस दौरे के बारे में कहा कि मैं बहुत लंबे समय के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल रहा था इसलिए मैं अपना शत प्रतिशत देने पर ध्यान दे रहा था। मुझे पूरे दौरे में प्रशिक्षकों का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ खिलाड़ियों ने भी मेरा मनोबल बढ़ाया और ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ खेलने के लिए मुझे आत्मविश्वास दिया। उन्होंने पूरे दौरे में मेरी गलतियों में सुधार करने में मदद की। इसलिए निजी तौर पर मुझे इस दौरे में काफी कुछ सीखने को मिला। ओलंपिक की तैयारियों के बारे में जसकरण ने कहा, %%हम वास्तव में बहुत अच्छी स्थिति में हैं और ओलंपिक के लिये अच्छी तैयारी कर रहे हैं।

डब्ल्यूवी रमन को कोच के रुप में रिटेन नहीं करने पर नाराज गांगुली

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पदाधिकारियों के बीच डब्ल्यूवी रमन को भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच के पद से हटाने को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब जानकारी सामने आई है कि बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भारतीय महिला टीम के कोच के रूप में रमन को रिटेन नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आंतरिक रूप से मुद्दे को उठाया है। समझा जाता है कि गांगुली ने पत्रों के माध्यम से औपचारिक रूप से भारत के पूर्व बल्लेबाज रमन को कोच पद से हटाए जाने पर आपत्ति जाहिर की है। दरअसल क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने कोच पद के लिए रमन के बारे में विचार तक नहीं कर उनकी जगह रमेश पोवार को कोच चुन लिया गया था। गांगुली ने हालांकि पोवार के चयन पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन उन्होंने इसपर हैरानी जाहिर की है कि कैसे एक कोच, जिसने टीम को एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाया था, को पद पर बरकरार नहीं रखा गया है। यह बात भी सामने आई थी कि टीम के कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने कथित तौर पर रमन के बारे में शिकायत की है, लेकिन बीसीसीआई अध्यक्ष, जो खुद एक समय क्रिकेट सलाहकार समिति के सदस्य थे उन्हें लगता है कि भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज के साथ बने रहना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि रमन के कोच रहते हुए ही भारतीय महिला टीम ने 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 विश्व कप के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था, लेकिन टीम मार्च में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज बुरी तरह हार गई थी। उधर महिला क्रिकेट से जुड़े कुछ लोगों का कहना है, कि गांगुली को मदन लाल, आरपी सिंह और सुलक्षणा नाइक वाली क्रिकेट सलाहकार समिति के फैसले और इसकी कार्यात्मक स्वायत्तता का सम्मान करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऐसी फिल्में चाहता हूं जिस पर 50 साल बाद गर्व कर सकूं

राजकुमार राव को भारत के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक माना जाता है। उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने ऐसे किरदार निभाएं हैं जिसने बॉलीवुड नायक को फिर से परिभाषित किया है। अभिनेता ने अपनी फिल्मोग्राफी के बारे में साझा किया कि वह किय तरह की फिल्में करना चाहते हैं। अपने अब तक के 11 साल के बॉलीवुड सफर में राजकुमार ने 'काई पो चे!', 'शाहिद', 'अलीगढ़', 'सिटीलाइट्स', 'बरेली की बर्फी', 'न्यूटन', 'स्त्री' और 'द व्हाइट टाइगर' सहित कई जीवन की विशेषताओं से जुड़ी फिल्मों में अभिनय किया है। अभिनेता ने कहा कि शुक्रवार का दबाव उन्हें असुरक्षित महसूस नहीं कराता। ''मैं बहुत सुरक्षित महसूस करता हूं। मैं शुक्रवार का दबाव नहीं लेता। मेरा मानना है कि कुछ फिल्में जीवन के लिए होती हैं और कुछ बॉक्स ऑफिस और जीवन दोनों के लिए होती हैं, जैसे 'स्त्री'।'' उन्होंने कहा, ''मैं सिर्फ अच्छी फिल्में करना चाहता हूं। यही एकमात्र तरीका है जिससे मैं चाहता हूं कि मेरी फिल्मोग्राफी (बनी हुई) फिल्में हो, जिसपर मुझे गर्व हो और जब मैं 50 साल बाद वापस लौटू और कहूं कि ये सभी वह फिल्में हैं, जो मैंने की है और यह सब खास हैं।'' 36 वर्षीय अभिनेता को हाल ही में हॉरर कॉमेडी 'रूही' में देखा गया था। उनके पास 'बधाई दो' और 'हम दो हमारे दो' फिल्में हैं। उनका कहना है कि वह चाहते हैं कि हर साल कुछ बेहतरीन फिल्में हों जहां वह बेहतरीन किरदार निभा सकें।

कोरियग्राफर गीता कपूर ने बताया क्यों लगाया सिंदूर, बोलीं-ये सच है

कोरियोग्राफर गीता कपूर की कुछ तस्वीरें इन दिनों सुर्खियों में हैं। इनमें वह सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। बिना शादी के अपनी 'गीता मां' को सिंदूर लगाए देख उनके फैन्स हैरान हैं। उनके इंस्टाग्राम पर कई लोगों ने इस बारे में सवाल किया था। अब गीता ने खुद बताया है कि ये तस्वीरें फोटोशॉप्ड नहीं बल्कि असली हैं। उन्होंने सिंदूर लगाने की वजह भी बताई। गीता कपूर की सिंदूर वाली तस्वीरें देखकर लोग उनकी गुपचुप शादी के कयास लगा रहे हैं। इस पर गीता कपूर ने बताया कि उनकी शादी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, अगर मेरी शादी होगी तो मैं छिपाऊंगी नहीं। साथ ही अभी मैं शादी कैसे कर सकती हूं, मेरी मां को गुजरे कुछ महीने हुए हैं। तस्वीरों के बारे में पूछे जाने पर गीता ने बताया कि तस्वीरें असली हैं। उन्होंने कहा, मैंने सिंदूर लगाया है। ये फोटोज 'सुपर डांसर 4' के लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें हैं। ये एपिसोड बॉलीवुड की एवरग्रीन हिरोइनों पर है। इसमें हमें उनकी तरह तैयार होना था। मैं रेखाजी की तरह तैयार हूं। वह सिंदूर लगाती हैं तो मैंने भी सिंदूर लगाया है।

डर के कारण छोड़ दिए इंडियन वेब सीरीज के ऑफर्स

माहिरा खान ने बॉलिवुड में फिल्म रईस से डेब्यू किया था। उसके बाद पाकिस्तानी ऐक्टर्स पर बैन लगा दिया गया। माहिरा ने अब कहा है कि उन्हें कई वेब सीरीज के ऑफर्स आए थे मगर डर के कारण उन्होंने इन्हें छोड़ दिया था। पाकिस्तानी ऐक्ट्रेस माहिरा खान ने साल 2017 में शाहरुख खान के ऑपोजिट फिल्म 'रईस' से धमाकेदार बॉलिवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद माना गया था कि माहिरा खान बॉलिवुड की कुछ और बड़ी फिल्मों में भी नजर आ सकती हैं। मगर कुछ समय बाद ही बॉलिवुड ने पाकिस्तानी कलाकारों के काम करने पर बैन लगा दिया। इसके बाद माहिरा को भी पाकिस्तान लौटना पड़ा। अब माहिरा ने कहा है कि 'रईस' के बाद उन्हें बहुत सारी वेब सीरीज ऑफर हुई थीं मगर उन्होंने इनमें काम करने से इनकार कर दिया था। एक हालिया इंटरव्यू में माहिरा ने कहा कि अगर एक साथ काम किया जाए तो पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में बहुत अच्छे काम के मौके मिल सकते हैं। माहिरा ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही पाकिस्तानी कलाकार दोबारा भारतीय फिल्मों और वेब शोज में नजर आएंगे। माहिरा जल्द ही एक शो में स्टोरी नरेशन करती नजर आएंगी। पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन लगाए जाने के मुद्दे पर माहिरा ने कहा, 'मुझे बहुत सी वेब सीरीज ऑफर हुई थीं मगर मैं उस वक्त डरी हुई थी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोग क्या कहते मगर मुझे नहीं पता था कि वहां जाना था या नहीं। इनमें से कुछ बहुत अच्छा कॉन्टेंट भी था और उसे मैं मिस नहीं करना चाहती थी।' माहिरा ने आगे कहा, 'मैं डरी हुई थी और मुझे यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है। अब मुझे लगता है कि चलो यार, आप कुछ ऐसा नहीं होने देंगे जो पॉलिटिकल हो या आपकी पसंद प्रभावित करता हो। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं अब और ऐसा करूंगी। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही मिलकर काम करेंगे फिर चाहे वह डिजिटल प्लैटफॉर्म के लिए हो कुछ और।'

विद्या बालन की 'शेरनी' ऐमजॉन पर होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन बीते कई दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शेरनी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। अब इस फिल्म ने ओटीटी का रुख कर लिया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने घोषणा की है कि डाइरेक्ट-टू-स्ट्रीम हिन्दी अमेजन ओरिजिनल मूवी 'शेरनी' का उनकी स्ट्रीमिंग सेवा पर अगले महीने ग्लोबल प्रीमियर किया जाएगा। इस फिल्म के निर्देशक अमित मासुरकर है। एबंडेंटिया इंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस फिल्म में विद्या बालन ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म की स्टारकास्ट में उनके साथ शरद सक्सेना, मुकुल चड्ढा, विजय राज, इला अरुण, ब्रजेंद्र काला और नीरज काबी जैसे कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म में विद्या बालन एक मजबूत इरादों वाली महिला अफसर का मुख्य किरदार निभा रही हैं, जो प्रतिकूल व शत्रुतापूर्ण माहौल में भी बड़ी निष्ठा के साथ अपना कर्तव्य निभाने की कोशिश करती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए अमेजन प्राइम वीडियो इंडिया के निदेशक विजय सुब्रमणियम ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में एबंडेंटिया इंटरटेनमेंट और टी-सीरीज अपनी ताजा और दिलचस्प कंटेंट वाली कहानियां कहने वालों का एक पॉवरहाउस साबित हुआ है और हम उनके साथ अपनी सहभागिता ज्यादा मजबूत करने को लेकर रोमांचित हैं।

'शकुंतला देवी' की कामयाबी के बाद हम भारत समेत दुनिया भर में मौजूद अपने ग्राहकों के लिए विद्या बालन अभिनीत एक और फिल्म 'शेरनी' प्रस्तुत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। टी-सीरीज के हेड भूषण कुमार ने कहा, मुझे अब तक जितनी भी फिल्में प्रोड्यूज करने का मौका मिला है, उनमें से 'शेरनी' सबसे अपरंपरागत तथा दिलचस्प फिल्म है। मैं इस बात को लेकर रोमांचित हूं कि इस फिल्म का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है, जिससे यह एक ग्लोबल ऑडियंस तक पहुंच सकेगी। हमेशा की ही तरह विक्रम के साथ हुई सहभागिता बेहद शानदार रही और मैं एबंडेंटिया इंटरटेनमेंट के साथ मिलकर और भी ज्यादा मनोरंजक तथा बेमिसाल कंटेंट तैयार करने के लिए उत्सुक हूं।

तमिल लड़के से शादी करना चाहती हैं रश्मिका मंदाना

'नेशनल क्रश' रश्मिका मंदाना किसी भी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से करोड़ों लोगों को घायल किया हुआ है। सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैं। उन्होंने तमिल, तेलुगू, कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में बेहतरीन काम किया है। फैंस रश्मिका के बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। कई लोग है जो रश्मिका मंदाना के साथ शादी करना चाहते हैं, लेकिन अब एक्ट्रेस ने साफ कर दिया है कि वह केवल तमिल लड़के से ही शादी करेंगी। रश्मिका ने 2016 में रिलीज हुई कन्नड़ फिल्म 'किरिक पार्टी' से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्म सुल्तान से तमिल फिल्म इंडस्ट्री में भी डेब्यू कर लिया है। उन्होंने इस फिल्म में गांव की लड़की का किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान रश्मिका ने कहा था कि वह तमिल कल्चर से बहुत आकर्षित हो गई हैं, खासकर यहां के खाने से। बातों-बातों में उन्होंने यह भी बता दिया कि वह केवल तमिल युवक से ही शादी करेंगी। रश्मिका ने कहा था, मैं तमिलनाडु के कल्चर बहुत प्रभावित हुई.मुझे तमिल के खाने से प्यार हो गया और ये बहुत स्वादिष्ट होता है। उम्मीद है कि मेरी शादी तमिल युवक से होगी और तमिलनाडु की बेटी बनूंगी। रश्मिका मंदाना सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और लगातार अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर करती रहती है। रश्मिका की अभी महज 10 फिल्में रिलीज हुई हैं, लेकिन अपने टैलेंट की बदौलत रश्मिका ने एक तगड़ी फैन फॉलोइंग तैयार कर ली है।

कुछ लोग मेरे साथ काम नहीं करना चाहते

श्रेयस तलपडे को बॉलिवुड के टैलेंटेड ऐक्टर्स में से एक माना जाता है। हालांकि श्रेयस को अभी तक उतनी सफलता नहीं मिल सकी है जिसके वह हकदार हैं। उनका कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री में कुछ लोग उनके साथ काम नहीं करना चाहते हैं। बॉलिवुड में कुछ ऐक्टर ऐसे हैं जिनकी ऐक्टिंग की तो काफी तारीफ की जाती हैं मगर वे अभी तक वह मुकाम हासिल नहीं कर सके हैं जिसके वह हकदार थे। ऐसे ही ऐक्टर हैं श्रेयस तलपडे जिनकी ऐक्टिंग बेहतरीन है मगर उन्हें अच्छे मौके नहीं मिले हैं। श्रेयस ने एक हालिया इंटरव्यू में कहा है कि बॉलिवुड में कुछ ऐक्टर्स ऐसे हैं जिन्होंने उनके साथ काम करने से मना कर दिया था क्योंकि वह 'इनसिक्योर' महसूस कर रहे थे।

मेरा काम बोलना चाहिए

बॉलिवुड में फिल्म 'इकबाल' से धमाकेदार एंट्री करने वाले श्रेयस की काफी तारीफ हुई थी। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में केवल 10 पर्सेंट लोग ही सही होते हैं। श्रेयस ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनके अंदर खुद की मार्केटिंग करने की स्किल नहीं हैं और वह इस बात पर विश्वास करते हैं कि उनका काम ही बोलना चाहिए।

दोस्तों ने मेरी पीठ पर वार किया है

श्रेयस ने कहा, 'मैंने देखा कि कुछ ऐक्टर्स हैं जो मेरे साथ स्क्रीन शेयर करने पर काफी इनसिक्योर रहते हैं और नहीं चाहते कि मैं फिल्म में रहूं। मैं कुछ फिल्में केवल दोस्ती की खातिर उनके फायदे के लिए की हैं लेकिन तभी उन्हीं दोस्तों ने मेरी पीठ पर वार किया है। इसके बाद कुछ दोस्त ऐसे भी हैं जो मेरे बगैर फिल्म बनाते हैं तब सवाल उठता है कि क्या वे दोस्त भी हैं? दरअसल, इंडस्ट्री में 90 पर्सेंट लोग सिर्फ साथ में काम करने वाले हैं और केवल 10 पर्सेंट ऐसे हैं जो आपके काम से खुश होते हैं। यहां लोगों का ईगो बहुत नाजुक है।'

इन हिंदी फिल्मों में आ चुके हैं नजर

बता दें कि श्रेयस तलपडे हिंदी फिल्मों में आने से पहले ही मराठी थिअटर और सिनेमा का जाना-माना नाम रहे हैं। इकबाल के अलावा डोर, ओम शांति ओम, वेलकम टू सज्जनपुर, गोलमाल रिटर्न्स, गोलमाल 3, हाउसफुल 2, पोस्टर बॉयज, गोलमाल अगेन जैसी बहुत सी मशहूर और सफल फिल्मों में काम कर चुके हैं।

जितना हो सके दूसरों की मदद करें

महामारी के कारण संकट में फसे लोगों को राहत देने के प्रयास में जैकलीन फर्नांडिस इस मुश्किल समय में मैदान पर उतर चुकी हैं। अभिनेत्री लोगों के साथ दयालुता की कहानियों को साझा करने और बनाने एवं सभी के बीच प्यार फैलाने और दूसरों की मदद करने का प्रयास कर रही हैं। जैकलीन फर्नांडिस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तस्वीर के साथ एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें वो अपने फैंस से लोगों की मदद करने की अपील कर रही हैं। इस तस्वीर में एक्ट्रेस ब्लू कलर की टी-शर्ट और जींस पहने एक मिरर के पास बैठी मुस्कुराती नजर आ रही हैं। तस्वीर को इंस्टग्राम पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, मजबूत रहें, सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें, जितना हो सके दूसरों की मदद करें। हमेशा प्यार और दया फैलाएं! हम सभी अपने-अपने तरीकों से महामारी से लड़ रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, आइए हम सभी के साथ सहानुभूति और समझदारी रखें.एक-दूसरे के लिए होने दें! दया की अपनी कहानियों को हमारे साथ शेयर करते रहें और हम प्यार, एक्ता जैसे शब्दों को फैलाने में मदद करें। हमारा ये एक जीवन है, जो कुछ भी हम कर सकते हैं उसे इस दुनिया में करने के लिए करें।

2 पार्ट में बनेगी अल्लु अर्जुन की पुष्पा

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा' लंबे वक्त से चर्चा में है। आए दिन फिल्म से जुड़ी कोई ना कोई नई जानकारी सामने आ रही है। अब यह खबर है कि अल्लु अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म पुष्पा दो पार्ट में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने यह पुष्टि की है। निर्माता नवीन यरनेनी और वाई.रवि शंकर ने कहा, फिल्म की कहानी और किरदारों को सही ढंग से दिखाने के लिए समय की जरूरत है। इन्हें एक पार्ट में समेटना संभव नहीं है, इसलिए फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। टीजर को मिला शानदार रिस्पॉन्स देख हम काफी उत्साहित हैं। हम फिल्म को दो हिस्सों में रिलीज कर इस उत्साह को आगे तक ले जाएंगे। पहला हिस्सा अगस्त में रिलीज किया जाएगा और दूसरा 2022 में रिलीज होगा। अल्लू के जन्मदिन पर 8 अप्रैल को फिल्म 'पुष्पा' का नया पोस्टर सामने आया था, जो मिनटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उनका ऐसा अवतार फैंस ने पहले कभी नहीं देखा था। बताया जा रहा है कि 'पुष्पा' के पहले पार्ट की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है, वहीं दूसरे पार्ट की शूटिंग 10 प्रतिशत पूरी हुई है। दोनों फिल्मों का बजट करीब 250-300 करोड़ रुपए है। इसे तेलुगू के अलावा, तमिल, हिन्दी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म की कहानी आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों में लाल चंदन की डकैती पर आधारित है। फिल्म में अल्लू अर्जुन को एक भयानक दिखने वाले चंदन तस्कर पुष्पा राज के रूप में दिखाया जाने वाला है। इसमें उनके साथ रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन सुकुमार कर रहे हैं। इससे पहले सुकुमार के साथ अल्लू अर्जुन 'आर्य' और 'आर्य 2' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके हैं। उनके साथ यह अल्लू की तीसरी फिल्म होगी। यह अल्लू की पहली पैन इंडिया फिल्म है।

राजस्थान में रॉयल वेडिंग करना चाहती हैं अंकिता लोखंडे

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की एक्स गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अंकिता इन दिनों बिजनेसमैन विक्की जैन के साथ रिलेशनशिप में हैं। अब खबरें आ रही है कि अंकिता जल्द ही शादी रचाने वाली हैं। एक इंटरव्यू के दौरान अंकिता ने विक्की जैन संग अपने रिश्ते और शादी को लेकर बातचीत की।

शादी के बारे में बात करते हुए अंकिता लोखंडे ने कहा, किसी भी लड़की के लिए शादी एक बहुत खूबसूरत एहसास होता है। हां मैं अपनी शादी को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं जल्द ही शादी करने वाली हूं। मैं उम्मीद कर रही हूं कि वो खास दिन जल्द ही आने वाला है। उन्होंने कहा, मैं जोधपुर या जयपुर में शादी करना पसंद करूंगी। मैं राजस्थानी अंदाज में शादी करना चाहती हूं लेकिन अब तक भी मैंने किसी तरह की कोई प्लानिंग नहीं की है। अपने प्यार के बारे में बात करते हुए अंकिता ने कहा, 'मेरे लिए प्यार जिंदगी की जरूरत है। मुझे हर जगह केवल प्यार की तलाश रहती है। मैं जहां भी जाती हूं वहां प्यार की दरकार होती है.प्यार मेरी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा है। मैं अपने प्यार को लेकर बहुत पजेसिव हूं। अगर मुझे लगता है कि कोई मुझसे झूठ बोल रहा है तो मैं सच जानने की कोशिश करती हूं। अंकिता लोखंडे ने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के बारे में भी बात की। अंकिता ने सुशांत को अपना फेवरेट स्टार बताया और कहा कि मैंने और सुशांत ने सीरियल पवित्र रिश्ता में साथ काम किया है, और वो मेरे फेवरेट स्टार हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाल-वृंद

परामर्श

बच्चे वीडियो गेम खेलने या कार्टून धरावाहिक देखने के बदले अगर अच्छी किताबें पढ़ें, तो उनका मानसिक विकास अच्छा होगा।

हर क्षण अमूल्य

प्रेरक पथ

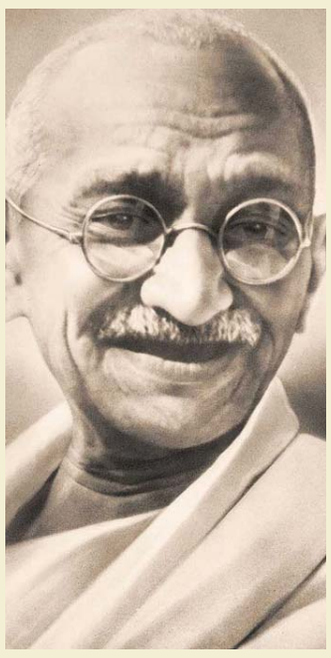

बापू की चटनी

यह घटना उस समय की है जब राष्ट्रीय आंदोलन जोरों पर था। इसमें आम जन ही नहीं, राजा-महाराजा तक अपना योगदान देने को तैयार थे। एक दिन काशी के महाराजा गांधीजी के आश्रम में आए और बोले, बापू, मैं भी राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल होना चाहता हूं। इस पर गांधीजी प्रसन्नता से बोले, यह तो बहुत अच्छी बात है कि राजा आगे आए हैं। उनके साथ प्रजा भी आगे आएगी। एक राजा अपने साथ लाखों प्रजा भी लेकर आएगा।

भोजन का समय होने पर गांधीजी ने महाराजा को खाने के लिए अपने साथ बिठाया। महाराजा को भी वैसा ही सादा भोजन दिया गया जैसा गांधीजी खाते थे। लेकिन गांधीजी के भोजन में एक वस्तु अधिक थी -चटनी। महाराजा को चटनी नहीं दी गई थी। जब महाराजा ने देखा कि गांधीजी चटनी मजे से खा रहे हैं, तो वह बार-बार उनकी ओर देखने लगे। गांधीजी ने पूछा, %आपको भी चटनी चाहिए?% फिर तुरंत गांधीजी ने चम्मच भर चटनी उनकी थाली में रख दी।

महाराजा ने उसका स्वाद लेने की जल्दी में ढेर सारी चटनी अपने मुंह में भर ली। चटनी मुंह में रखते ही उनके मुंह का स्वाद बिगड़ गया। उनसे न निगलते बन रहा था न उगलते। महाराजा ने पूछा, बापू, चटनी बड़ी कड़वी है। नीम की है क्या? गांधीजी बोले, हां नीम की है। मैं तो वर्षों से रोज खा रहा हूं।

तुम अगर मुंह का स्वाद नहीं बदलोगे तो आंदोलन के कष्ट कैसे भोगोगे? महाराजा बापू का आशय समझ गए। वह जी कड़ा कर चटनी खाने लगे।

बड़ी गजब की पनडुब्बी

प्रथम विश्व युद्ध में प्रयुक्त जर्मनी की यूसी-1 श्रेणी की पनडुब्बी पनडुब्बी(अंग्रेज़ी-सबमैरीन) एक प्रकार का जलयान (वॉटरक्राफ़्ट) है जो पानी के अन्दर रहकर काम कर सकता है। यह एक बहुत बड़ा, मानव-सहित, आत्मनिर्भर डिब्बा होता है। पनडुब्बियों के उपयोग ने विश्व का राजनैतिक मानचित्र बदलने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। पनडुब्बियों का सर्वाधिक उपयोग सेना में किया जाता रहा है और ये किसी भी देश की नौसेना का विशिष्ट हथियार बन गई हैं। यद्यपि पनडुब्बियाँ पहले भी बनायी गयीं थीं, किन्तु ये उन्नीसवीं शताब्दी में लोकप्रिय हुईं तथा सबसे पहले प्रथम विश्व युद्ध में इनका जमकर प्रयोग हुआ। विश्व की पहली पनडुब्बी एक डच वैज्ञानिक द्वारा सन 1602 में और पहली सैनिक पनडुब्बी टर्टल 1775 में बनाई गई। यह पानी के भीतर रहते हुए समस्त सैनिक कार्य करने में सक्षम थी और इसलिए इसके बनने के 1 वर्ष बाद ही इसे अमेरिकी क्रान्ति में प्रयोग में लाया गया था। सन 1620 से लेकर अब तक पनडुब्बियों की तकनीक और निर्माण में आमूलचूल बदलाव आया। 1950 में परमाणु शक्ति से चलने वाली पनडुब्बियों ने डीज़ल चलित पनडुब्बियों का स्थान ले लिया। इसके बाद समुद्री जल से आक्सीजन ग्रहण करने वाली पनडुब्बियों का भी निर्माण कर लिया गया। इन दो महत्वपूर्ण आविष्कारों से पनडुब्बी निर्माण क्षेत्र में क्रांति सी आ गई। आधुनिक पनडुब्बियाँ कई सप्ताह या महिनों तक पानी के भीतर रहने में सक्षम हो गई है।

द्वितीय विश्व युद्ध के समय भी पनडुब्बियों का उपयोग परिवहन के लिये सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए किया जाता था। आजकल इनका प्रयोग पर्यटन के लिये भी किया जाने लगा है। पनडुब्बी के भीतर कृत्रिम रुप से जीवन योग्य सुविधाओं की व्यस्था की जाती है। आधुनिक पनडुब्बियाँ अपने चालक दल के लिये प्राणवायु ऑक्सीजन समुद्री जल के विघटन की प्रक्रिया से प्राप्त करती है। पनडुब्बियों में कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित करने की भी व्यस्था होती है ताकि पनडुब्बी के भीतर कार्बन डाईऑक्साइड ना भर जाए। ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता के लिये पनडुब्बी में एक ऑक्सीजन टंकी भी होती है। आग लगने पर बचाव के लिये भी व्यस्था की जाती है। आग लगने की स्थिति में जिस भाग में आग लगी होती है, उसे शेष पनडुब्बी से विशेष रुप से बने परदों की सहायता से अलग कर दिया जाता है ताकि विषैली गैसें बाकी पनडुब्बी में ना फैले।

सिंधु रक्षक, भारतीय नौसेना की शत्रु विनाशक पनडुब्बी, 3000 टन वजन की यह पनडुब्बी सतह से 240 मीटर नीचे-नीचे 640 किलोमीटर तक शत्रु सीमा में प्रवेश कर सकती है।विश्व की सभी प्रमुख नौसेनाओं के समान ही भारतीय नौसेना ने भी अपने बेड़े में पनडुब्बियों को सम्मिलित किया है। भारतीय नौसेना के बेड़े में वर्तमान में 16 डीज़ल चलित पनडुब्बियाँ हैं। ये सभी पनडुब्बियाँ मुख्य रुप से रुस या जर्मनी में बनीं हुईं हैं। वर्ष 2010-11 में इस बेड़े मे 6 और पनडुब्बियाँ सम्मिलित कर ली जाएगीं। भारतीय नौसेना पोत (आई एन एस) अरिहंत (अरि= शत्रु हंत: मारना अर्थात शत्रु को मारने वाला) परमाणु शक्ति चालित भारत की प्रथम पनडुब्बी है। इस 6000 टन के पोत का निर्माण उन्नत प्रौद्योगिकी पोत परियोजना के अंतर्गत पोत निर्माण केंद्र विशाखापत्तनम में 2.9 अरब डॉलर की लागत से किया गया है। इसको बनाने के बाद भारत वह छठा देश बन गया जिनके पास इस प्रकार की पनडुब्बियां है।

वक्त की पाबंदी

अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन को सादगी ही नहीं, वक्त की पाबंदी भी बहुत पसंद थी। वह अपना हर काम नियत समय पर करते और जो ऐसा नहीं करता उसे सही रास्ते पर लाने की कोशिश भी करते थे। उनके नौकर-चाकर भी उनके इस स्वभाव से परिचित थे, इसलिए वे भी ठीक समय पर कार्य करने के आदी थे। उनके राष्ट्रपति बनने के कुछ महीने बीत गए थे, तभी अमेरिकी कांग्रेस के चुनाव हुए। चुने गए नए कांग्रेसी सदस्यों को वॉशिंगटन ने अपने आवास पर भोज के लिए आमंत्रित किया। उद्देश्य यह था कि सभी का परस्पर परिचय भी हो जाए और कर्तव्यों का निर्धारण भी कर दिया जाए। लेकिन तय समय पर वे सदस्य नहीं पहुंचे। हालांकि उन्हें आने में कुछ ही देर का विलंब हुआ था।

मेहमानों ने आकर देखा कि वाशिंगटन भोजन कर रहे हैं। सदस्य हैरत में पड़ गए। उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि अतिथियों के आए बगैर राष्ट्रपति भला कैसे भोजन कर रहे हैं। जॉर्ज वॉशिंगटन ने जब उनके चेहरे पर आश्चर्य का भाव देखा तो बोले, भाइयो, इसमें आश्चर्य की क्या बात है। मैं सभी कार्य वक्त पर करता हूं। इसलिए मेरा रसोइया कभी यह नहीं देखता कि सब के सब निमंत्रित अतिथि आ गए हैं या नहीं। वह तो निर्धारित समय पर भोजन सामने रख दिया करता है। सदस्यों को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने राष्ट्रपति से क्षमा मांगी। वॉशिंगटन ने उन्हें समझाते हुए कहा, जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है, इसलिए अपने कार्य समय पर करें ताकि अच्छे परिणामों की प्राप्ति हो।

आओ देखने चलें चारमीनार

आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद का सबसे प्रसिद्ध और महत्त्वपूर्ण स्मारक है। चार मीनार को यहाँ के शासक मुहम्मद कुली कुतुबशाह ने बनवाया था। हैदराबाद शहर प्राचीन और आधुनिक समय का अनोखा मिश्रण है जो देखने वालों को 400 वर्ष पुराने भवनों की भव्यता के साथ आपस में सटी आधुनिक इमारतों का दर्शन भी कराता है।

चारमीनार 1591 में शहर के अंदर प्लेग की समाप्ति की खुशी में मोहम्मद कुली कुतुब शाह द्वारा बनवाई गई बृहत वास्तुकला का एक नमूना है। शहर की पहचान मानी जाने वाली चारमीनार चार मीनारों से मिलकर बनी एक चौकोर प्रभावशाली इमारत है। इसके मेहराब में हर शाम रोशनी की जाती है जो एक अविस्मरणीय दृश्य बन जाता है।

यह स्मारक ग्रेनाइट के मनमोहक चौकोर खम्भों से बना है, जो उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम दिशाओं में स्थित चार विशाल आर्च पर निर्मित किया गया है। यह आर्च कमरों के दो तलों और आर्चवे की गेलरी को सहारा देते हैं। चौकोर संरचना के प्रत्येक कोने पर एक छोटी मीनार है जो 24 मी. ऊंचाई की है, इस प्रकार यह भवन लगभग 54 मीटर ऊंचा बन जाता है। ये चार मीनारें हैं, जिनके कारण भवन को यह नाम दिया गया है। प्रत्येक मीनार कमल की पत्तियों के आधार की संरचना पर खड़ी है, जो कुतुब शाही भवनों में उपयोग किया जाने वाला तत्कालीन विशेष मोटिफ है। पहले तल को कुतुब शाही अवधि के दौरान मदरसे के रूप में उपयोग किया जाता था। दूसरे तल पर पश्चिमी दिशा में एक मस्जिद है, जिसका गुम्बद सड़क से ही दिखाई देता है, यदि कुछ दूरी पर खड़े होकर देखा जाए। चार मीनार की छत पर जाकर शहर का एक विहंगम दृश्य दिखाई देता है, जबकि मीनारों के अंदर अत्यधिक भीड़ के कारण कुछ विशेष अतिथियों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, हैदराबाद वृत की अनुमति से यहाँ जाने दिया जाता है।

कैसे पहुंचें

- चार मीनार हैदराबाद रेलवे स्टेशन से लगभग 7 किलो मीटर की दूरी पर है।
- यह हैदराबाद बस स्टेशन से 5 किलो मीटर की दूरी पर है।
- दोनों शहरों के सभी हिस्सों से उत्कृष्ट निजी परिवहन सुविधा उपलब्ध है।
- शहर जितनी पुरानी ये चार मीनारें इस भवन के साथ पुराने शहर के मध्य में हैं और ये कुतुब शाही युग का हॉल मार्क हैं।

बच्चों की पाठशाला

बाल कविता

दादी कहती हैं

जगदीश व्योम

दादी कहती है कि
जब जब नया साल आता है
महँगाई की फुटबॉल में
दो पंप हवा और डाल जाता है
गरीबी की चादर में
एक पैबंद और लगाकर
भ्रष्टाचार का प्रमोशन
कर जाता है
ईमानदारी कहीं बदचलन
न हो जाए
इसलिए
बेईमानी का पहरा
बैठा जाता है
मटर के खेतों की रखवाली
बकरों को सौंप जाता है।
दादी यह सब देखकर
जाने क्यों चिढ़ती है
शायद सठिया गई हैं
अरे ठीक ही तो है
नया साल आएगा
खुशियाँ लाएगा
महँगाई की फुटबॉल को
थोड़ा और फुला जाएगा
सच खेलने में बड़ा मज़ा
आएगा।
खेलने में बड़ा मज़ा आएगा।।

अद्भुत पक्षी मोर

नीला मोरमोर पक्षी है। इससका मूलस्थान दक्षिणी और दक्षिणपूर्वी एशिया में है। ये ज़्यादातर खुले वनों में वन्यपक्षी की तरह रहते हैं । नीला मोर भारत और श्रीलंका का राष्ट्रीय पक्षी है। नर की एक खूबसूरत और रंग-बिरंगी परों से बनी पूँछ होती है, जिसे वो खोलकर प्रणय निवेदन के लिये नाचता है, विशेष रुप से बसन्त और बारिश के मौसम में। मोर की मादा मोरनी कहलाती है। जावाई मोर हरे रंग का होता है।

मोर एक बहुत ही सुन्दर, आकर्षक तथा शान वाला पक्षी है। बरसात के मौसम में काली घटा छाने पर जब यह पक्षी पंख फैला कर नाचता है तो ऐसा लगता मानो इसने हीरों-जड़ी शाही पोशाक पहनी हुई हो। इसीलिए इसे पक्षियों का राजा कहा जाता है। पक्षियों का राजा होने के कारण ही सृष्टि के रचयिता ने इसके सिर पर ताज जैसी कलंगी लगाई है। मोर के अद्भुत सौंदर्य के कारण ही भारत सरकार ने 26 जनवरी,1963 को इसे राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया। हमारे पड़ोसी देश म्यांमार का राष्ट्रीय पक्षी भी मोर ही है। 'फैसियानिडाई' परिवार के सदस्य मोर का वैज्ञानिक नाम 'पावो क्रिस्टेटस' है। अंग्रेजी भाषा में इसे 'ब्ल्यू पीफॉउल' अथवा 'पीकॉक' कहते हैं। संस्कृत भाषा में यह मयूर के नाम से जाना जाता है। मोर भारत तथा श्रीलंका में बहुतायत में पाया जाता है। मोर मूलत: वन्य पक्षी है, लेकिन भोजन की तलाश इसे कई बार मानव-आबादी तक ले आती है। मोर प्रारंभ से ही मनुष्य के आकर्षण का केंद्र रहा है। अनेक धार्मिक कथाओं में मोर को बहुत ऊंचा दर्जा दिया गया है।

जान पहचान

बाल रंग

ग्रामोफोन रिकार्ड

रमेश कौशिक

अगर किसी के
सुई चुभती
वह दुःख से रोने
लगता है
पर रिकार्ड सुई
चुभने पर
मधुर गीत गाने
लगता है।
ऐसे विरले
ही होते हैं
जो दुख में
भी गा लेते हैं
जो दुःख में
भी गा लेते हैं
उनको प्यार
सभी करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

एम्स्टर्डम में देर रात हुई चाकूबाजी की घटना, एक की मौत; चार घायल

एम्स्टर्डम। एम्सटर्डम में शुक्रवार रात को हुई चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि उसने संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शनिवार सुबह जारी बयान में कहा कि टीम सभी विकल्पों को खुला रख मामले की जांच कर रही है लेकिन अबतक हमले के पीछे आतंकवादी उद्देश्य होने के संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस ने बताया कि हमले में घायल चार पीड़ितों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और उनकी हालत की तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध हमलावर 29 वर्षीय है। उसके बारे में इतनी जानकारी दी गई है कि वह एम्स्टर्डम के नजदीक एम्स्तेलवीन का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि चाकूबाजी की घटना जहां पर हुई वहां पर कई बार और रेस्तरां है लेकिन कोरोना वायरस की पाबंदी की वजह से वे बंद थे।

मंगल पर सूक्ष्मजीवों की तलाश में जुटे नासा के वैज्ञानिकों को मिला ऑर्गेनिक सॉल्ट

वॉशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने कहा है कि मंगल की सतह पर ऑर्गेनिक सॉल्ट (जैविक लवण) हो सकता है। इस खोज में मंगल के सतह के गुणों और दूसरे ग्रह पर सूक्ष्मजीवों की खोज को लेकर अवधारणा में बदलाव कर सकता है। नासा ने एक बयान में कहा, 'प्राचीन मिट्टी के बर्तनों की तरह, ये लवण जैविक यौगिकों के रासायनिक अवशेष हैं, जैसे कि पहले क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा पता लगाया गया था।' जियोफिजिकल रिसर्च जर्नल में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि विकिरण और ऑक्सीकरण से प्रभावित आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम ऑक्सालेट और एसीटेट मंगल की सतह पर जैविक नमक में विघटित हो सकते हैं। ये लवण भूगर्भिक प्रक्रियाओं द्वारा निर्मित हो सकते हैं या सूक्ष्मजीव के अवशेष हो सकते हैं। नासा ने कहा कि यह खोज भविष्य के मंगल अभियानों के लिए मददगार हो सकता है। नासा ने कहा है कि यह दूसरे पर्यावरण में जीवन की संभावना को भी बल देता है। पृथ्वी की तरह कुछ जीव ऊर्जा के लिए ऑक्सालेट और एसीटेट जैसे ऑर्गेनिक सॉल्ट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। शोधकर्ता जेम्स एमटी लूइस ने कहा, 'यदि ऑर्गेनिक सॉल्ट मंगल की सतह पर अधिक फैले हुए हैं, उनकी रचना और वितरण जैविक रिकॉर्ड के बारे में बता सकते हैं। आने वाले समय में इनका अहम योगदान हो सकता है। शोधकर्ताओं का लक्ष्य यह जानना था कि किस तरह के अणु कभी यहां से संबंधित रहे होंगे और ये लाल ग्रह के प्राचीन पर्यावरण के बारे में क्या बता सकते हैं। लुइस ने कहा, 'हम अरबों साल के ऑर्गेनिक केमेस्ट्री को उधेड़ना चाहते हैं।' वैज्ञानिक पहले से ही भविष्यवाणी कर रहे थे कि कार्बनिक यौगिकों से लवण टूट सकते हैं।

चीन के रोवर ने पहली बार मंगल की सतह पर किया ड्राइव, ग्रह की सतह और वायुमंडल का करेगा अध्ययन

बीजिंग। रिमोट-नियंत्रित और मोटर चालित चीन के रोवर ने शनिवार को पहली बार मंगल की सतह पर ड्राइव किया। रोवर के आधिकारिक इंटरनेट मीडिया पोस्ट के अनुसार इसने चीनी समय के मुताबिक सुबह 10:40 बजे मंगल की सतह पर उतरना शुरू किया। चीन अपने पहले मिशन में मंगल पर आर्बिटर, लैंडर और रोवर उतारने वाला पहला देश बन गया है। रोवर का नाम एक पौराणिक चीनी देवता के नाम पर झूरोंग रखा गया है। 240-किलो वजनी झूरोंग में छह वैज्ञानिक उपकरण हैं। इसमें एक हाई-रिजाल्यूशन टोपोग्राफी कैमरा लगा है, जो ग्रह की सतह और वायुमंडल का अध्ययन करेगा। सौर ऊर्जा से चलने वाला झूरोंग जीवन के प्राचीन संकेतों की भी तलाश करेगा। यह करीब तीन महीने तक काम करेगा। चीन ने तियानवेन-1 अंतरिक्षयान को 23 जुलाई, 2020 को लांच किया था। इसमें आर्बिटर, लैंडर और रोवर शामिल हैं। सौर मंडल के किसी दूसरे ग्रह की ओर चीन का यह पहला कदम था।

ब्रिटेन ने 7 वैक्सीन की तीसरी बूस्टर डोज के लिए लांच किया ट्रायल, एस्ट्राजेनेका और फाइजर की वैक्सीन भी शामिल

लंदन। ब्रिटेन में कोविड-19 के सात अलग-अलग टीकों की तीसरी डोज के प्रभाव पर ट्रायल शुरू होने जा रहा है। ब्रिटेन ने सात कोरोना वैक्सीन की तीसरी बूस्टर डोज का ट्रायल लांच कर दिया है। टे कोव-बूस्ट नाम के इस ट्रायल के दौरान आक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका, फाइजर-बायोएनटेक, माडर्ना, नोवावैक्स, वालनेवा, जैंस्सेन और क्योरवैक की तीसरी डोज का शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर असर देखा जाएगा। ट्रायल जून में शुरू होगा। सभी आयु वर्ग के तीन हजार लोग इसमें शामिल होंगे। ट्रायल में शामिल लोगों का पहले, तीसरे और 12वें माह में एंटीबाडी टेस्ट कर उनकी प्रतिरक्षण प्रतिक्रिया को जांचा जाएगा। रक्त में एंटीबाडी का उच्च स्तर यह दर्शाएगा कि शरीर कोविड-19 से लड़ने में सक्षम है। ट्रायल के नतीजे सितंबर तक सामने आने की उम्मीद है। कोव-बूस्ट नाम के इस ट्रायल के जून में शुरू होने की संभावना है और इसमें सभी आयु वर्ग के 3 हजार उन लोगों को शामिल किया जाएगा जिन्होंने दिसंबर या जनवरी में वैक्सीन की पहली डोज ले ली है। इस ट्रायल पर लगभग 1 करोड़ 93 लाख पाउंड खर्च होने की आशा है। ब्रिटेन सरकार यह व्यय वहन करेगी। ट्रायल ब्रिटेन के 18 स्थलों पर किया जाएगा और वैक्सीन की आधी डोज़ का भी ट्रायल किया जाएगा।

विपक्षियों के सरकार बनाने के दावे को ओली और राष्ट्रपति ने मिलकर दिया झटका, जानिए आखिर क्यों पैदा हुआ नेपाल में संकट

काठमांडू। (एजेंसी)।

कोरोना महामारी के बीच नेपाल में राजनीतिक संकट गहरा गया है। बीती रात राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने देश की संसद को भंग कर दिया। राष्ट्रपति की ओर से 12 और 19 नवंबर को देश में मध्यावधि चुनाव का ऐलान किया गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की तरफ से देश की संसद को भंग करने की सिफारिश की गई थी। जिसे विद्या देवी ने अपना समर्थन देते हुए संसद को भंग करने की घोषणा कर दी।

विपक्ष ने भी सरकार गठन का किया दावा

नेपाल का राजनीतिक संकट अब और गहरा गया जब ओली और विपक्षी दल दोनों ने ही राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी को सांसदों के हस्ताक्षर वाले पत्र सौंप कर नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। प्रधानमंत्री ओली विपक्षी दलों के नेताओं से कुछ मिनट पहले ही राष्ट्रपति के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के अनुसार पुन- प्रधानमंत्री बनने के लिए अपनी पार्टी सीपीएन यूएमएल के 121 सदस्यों और जनता समाजवादी पार्टी के 32 सांसदों के समर्थन के दावे वाला पत्र सौंपा। इससे पहले नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने 149 सांसदों का समर्थन होने का दावा किया। देउबा प्रधानमंत्री पद का दावा पेश करने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं के साथ राष्ट्रपति के कार्यलय पहुंचे। खबरों के अनुसार प्रधानमंत्री ओली ने संसद में अपनी सरकार का बहुमत साबित करने के लिए एक और बार शक्ति परीक्षण से गुजरने में बीते दिनों अनिच्छा व्यक्त की थी।

चार बार पीएम रह चुके हैं देउबा

शेर बहादुर देउबा 74 वर्ष के हैं और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। देउबा चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। वह 1995 से 1997 तक, 2001 से 2002 तक, 2004 से 2005 तक और 2017 से 2018 तक इस पद पर रहे हैं। देउबा 2017 में आम चुनावों के बाद से विपक्ष के नेता हैं।

सरकार बनाने के लिए 136 सीटों की जरूरत

नेपाल की 275 सदस्यी प्रतिनिधि सभा में 121 सीटों के साथ सीपीएन-यूएमएल सबसे बड़ा दल है। इस समय बहुमत से सरकार बनाने के लिए 136 सीटों की जरूरत है।

राष्ट्रपति ने दोनों के दावे को किया खारिज

राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने विपक्ष की सरकार बनाने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। राष्ट्रपति की ओर से नेपाल की संसद को भंग कर मध्यावधि चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा कर दी गई। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री पद के लिए शेर बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली दोनों के दावों को खारिज कर दिया गया। खबरों के अनुसार प्रधानमंत्री ओली ने संसद में अपनी सरकार का बहुमत साबित करने के लिए एक और बार शक्ति परीक्षण से गुजरने में बीते दिनों

अनिच्छा व्यक्त की थी।

क्यों पैदा हुए ऐसे हालात

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली को 10 मई को उनके पुनः निर्वाचन के बाद प्रतिनिधि सभा में 30 दिनों के भीतर बहुमत साबित करना था। आशंका थी कि अगर अनुच्छेद 76 (5) के तहत नई सरकार नहीं बन सकी तो ओली अनुच्छेद 76 (7) का प्रयोग कर एक बार फिर प्रतिनिधि सभा को भंग करने की सिफारिश करते। केपी शर्मा ओली को 14 मई को संविधान के अनुच्छेद 76 (3) के अनुसार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई थी। इससे चार दिन पहले ही वह संसद में विश्वास मत में पराजित हो गए थे।

पाकिस्तान में बन रहे हैं गृह युद्ध के हालात, असमानता और अन्याय से बिगड़ रही है स्थिति

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान एक बार फिर उन स्थितियों में पहुंच रहा है, जब 1971 में गृह युद्ध हुआ और देश दो टुकड़ों में बंटकर बांग्लादेश अस्तित्व में आया। एशिया टाइम्स में इरफान राजा के एक लेख में पाक के एक बार फिर गृह युद्ध के कगार पर पहुंचने के कारण बताए गए हैं। लेख में कहा गया है कि किसी भी शासन में कुशासन, भ्रष्टाचार और गरीबी ऐसे कारण हैं, जो किसी भी समाज में घृणा और हिंसा की भावना को बढ़ा सकते हैं। इन सभी कारणों के साथ यहां नौकरशाही निरंकुश हो गई है।

समाज में ऐसी व्यवस्था कायम हो गई है, जहां किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाले देशद्रोही और विदेशी एजेंट कहलाते हैं। पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों की हिरासत में तमाम लोगों की मौत हो रही है। खासकर बलूचिस्तान, सिंध, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हालात ज्यादा खराब हैं।

नौकरशाह, जनरल, राजनेताओं में बढ़ रही निरंकुशता और आरामतलबी

लेख में कहा गया है कि असमानता और गरीबी के बीच राजनेता, नौकरशाह, जनरल और उद्योगपतियों का ऐसा वर्ग बन गया है जो देश ही नहीं विदेशों में विलासितापूर्ण जीवन जी रहा है। परवेज मुशर्रफ इसका उदाहरण हैं, जिन्होंने पाकिस्तान में आतंकवाद को जन्म दिया। ऐसे लोग विदेश में शानदार जीवन जी रहे हैं। यही कारण एक बार फिर पाक को गृह युद्ध की तरफ धकेल रहे हैं।

पाक और चीन की दोस्ती हो रही है मजबूत : इमरान

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कराची के परमाणु ऊर्जा प्लांट- 2 के शुरू होने पर कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती मजबूत हो रही है। आज ही के दिन चीन के साथ राजनयिक संबंधों के सत्तर साल भी पूरे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे से विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

शरीफ के लंदन स्थित आफिस में घुसने की कोशिश

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बेटे हसन शरीफ के लंदन स्थित कार्यालय में चार लोगों ने घुसने की कोशिश की। यहां जब उन लोगों को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने बताया कि नवाज से उनकी भेंट पूर्व निर्धारित है। बाद में ये लोग भाग गए। पीएमएल-नवाज पार्टी ने आरोप लगाया है कि नवाज पर हमले की साजिश रची जा रही है।

खूनी संघर्ष के 11 दिनों बाद इजराइल के लिए उड़ान सेवाएं फिर से शुरू करेंगी अमेरिकी एयरलाइन कंपनियां

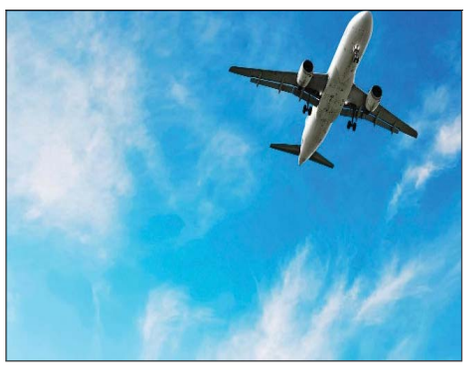

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की एयरलाइन कंपनियों- यूनाइडेट, डेल्टा और अमेरिकन ने शुक्रवार को कहा कि इजराइल तथा हमास के बीच युद्धविराम पर सहमति बनने के बाद वे तेल अवीव तक अपनी उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू कर रही हैं। इजराइल और फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास के बीच हुए संघर्ष में तेल अवीव स्थित बेन गुरियोन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भी रॉकेट दागे गए थे। डेल्टा एयरलाइंस न्यूयॉर्क से तेल अवीव तक अपनी पहली उड़ान का शुक्रवार रात से ही परिचालन करने की योजना बना रही है और पहली वापसी यात्रा रविवार को होगी।

एयरलाइन के प्रवक्ता मॉर्गन दुर्रैंट ने कहा कि डेल्टा, 'सुरक्षा स्थिति पर करीब से नजर रखेगी और हमारे उड़ान कार्यक्रमों में आवश्यकता अनुसार फेरबदल करेगी।' यूनाइटेड एयरलाइंस ने भी कहा कि वह भी शुक्रवार रात से सेवाएं फिर से शुरू करने की उम्मीद कर रही है और पहली उड़ान न्यू जर्सी के नेवार्क से तेल अवीव तक जाएगी। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन सप्ताहंत में शिकागो और सैन फ्रांसिस्को से भी उड़ान सेवा शुरू करने की योजना बना रही है। यूनाइटेड ने अमेरिका के तीन शहरों से इजराइल जाने वाली अपनी उड़ानों को 12 मई को रोक दिया था। वहीं, अमेरिकन एयरलाइंस ने कहा कि वह न्यूयॉर्क से तेल अवीव के बीच उड़ान सेवा सोमवार से फिर से शुरू करने की योजना बना रही है।

इजराइल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं! अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का बड़ा बयान

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि इजराइल की सुरक्षा के प्रति उनके प्रशासन की प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फलस्तीनियों के लिए एक अलग राष्ट्र बनाकर द्वि-राष्ट्र समाधान ही दोनों के बीच संघर्ष को समाप्त कर सकता है। बाइडन की यह टिप्पणी तब आई जब एक दिन पहले ही इजराइल और हमास के बीच मिस्र की मध्यस्थता में युद्धविराम की घोषणा के साथ 11 दिन से चला आ रहा संघर्ष समाप्त हुआ। बाइडेन ने अमेरिका की यात्रा पर पहुंचे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई इन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मेरी प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं हुआ है, इजराइल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता, कोई तर्क-वितर्क नहीं।' उन्होंने कहा, 'कोई बदलाव नहीं, कोई भी नहीं, लेकिन मैं आपको बताता हूं एक बदलाव हो सकता है। यह बदलाव कि हमें अब भी द्वि-राष्ट्र समाधान की जरूरत है। यही एकमात्र रास्ता है। मेरा मानना है कि हम अब आगे बढ़ सकते हैं, मेरा पहले भी यही मानना था, संघर्षविराम पर बातचीत से पहले ही।÷

बाइडेन ने कहा कि उनका प्रशासन सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका वेस्ट बैंक में सुरक्षा उपलब्ध कराता रहे। उन्होंने कहा, 'हमने वेस्ट बैंक के लोगों के लिए सुरक्षा प्रतिबद्धता

के साथ-साथ आर्थिक प्रतिबद्धता को भी नए सिरे से तैयार किया है।' बाइडन ने कहा कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अपनी बातचीत में उन्होंने इजराइल को संकेत दिया कि उसके लिए यरूशलम में सांप्रदायिक लड़ाई को रोकना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इसे समाप्त होना चाहिए। मैं दूसरे राष्ट्रों के साथ मिलकर एक बड़ा पैकेज तैयार करने का प्रयास कर रहा हूं जो हमास को अपनी हथियार प्रणाली का पुनर्निर्माण का मौका दिए बिना गाजा के पुनर्निर्माण के लिए वहां घरों का फिर से निर्माण करने के लिए हमारे नजरिये को साझा करता है।' उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसदों के रुख में बदलाव पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बाइडन ने कहा कि उनकी पार्टी अब भी इजराइल का समर्थन करती है।

टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए डेटिंग एप की मदद लेगा अमेरिका, जानें बाइडन की योजना

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने अमेरिका के युवाओं में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण को लोकप्रिय बनाने और उसे बढ़ावा देने के लिए प्रमुख डेटिंग एप से हाथ मिलाने का एलान किया है। राष्ट्रपति जो बाइडन का लक्ष्य चार जुलाई तक देश के 70 फीसद वयस्कों को वैक्सीन की एक डोज लगा देना है। लेकिन एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, 18 से 34 साल के 42 प्रतिशत वयस्कों का कहना है कि टीका लेने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। कोरोना पर व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारी एंडी स्लैविट ने एलान किया कि उपभोक्ताओं में वैक्सीनेशन को लोकप्रिय बनाने के लिए टिंडर, आकुपिड, बीएलके, हिंज, मैच, चिस्पा और बंबल जैसे डेटिंग एप विशेष फीचर शामिल करेंगे। अमेरिका में पांच करोड़ से ज्यादा लोग इन एप का इस्तेमाल करते हैं। एप की तरफ से उपभोक्ताओं से पूछा जाएगा कि उन्होंने वैक्सीन की डोज ली है अथवा नहीं? या फिर क्या वे वैक्सीन लेने की योजना बना रहे हैं? आकुपिड ने कहा है कि उसके जो सदस्य वैक्सीनेशन की स्थिति बताते हैं, उन्हें साथी मिलने की संभावना 14 प्रतिशत ज्यादा होती है। राष्ट्रीय प्रसारणकर्ता सीएनबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमने पाया है कि एक चीज जो हम सबको आकर्षक बनाती है, वह है-टीकाकरण।

खुशनुमा हुआ व्हाइट हाउस का माहौल, अधिकतर ने उतारे मास्क, गले मिलने का दौर शुरू

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस में माहौल एक बार फिर जीवंत हो उठा है जहां बिना मास्क लगाए हुए लोग सबसे बड़े कक्ष में हंसते-मुस्कुराते दिखे। यात्रा पर आए एक राष्ट्र प्रमुख का धूमधाम से औपचारिक समारोह में हाथ मिलाकर स्वागत करते हुए और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को मेडल ऑफ ऑनर प्राप्त करने वाले 94 वर्षीय बुजुर्ग को खुशी से गले लगाते देखा गया। यह सब कुछ कोविड-19 टीके की बढ़ती उपलब्धता और मास्क एवं सामाजिक दूरी पर संघीय दिशा-निर्देश में हाल में दी गई रियायत के कारण बाइडन प्रशासन पेनसिल्वानिया एवेन्यू में वैश्विक महामारी से पहले के स्वरूप एवं अनुभव को अपना रहे है।

वेस्ट विंग के अधिक से अधिक कर्मचारी काम पर वहां लौट रहे हैं और कई और संवाददाता ऐसा करते दिखेंगे क्योंकि व्हाइट हाउस ने यह संदेश दे दिया है कि टीकाकरण के साथ पहले की तरह सामान्य स्थिति में लौटा जा सकता है। सुरक्षा एवं मिश्रित संदेशों को लेकर अंदेशा बना हुआ था लेकिन व्हाइट हाउस के फिर से खुलने एवं वहां के राहत भरे माहौल की तस्वीरों से इन चिंताओं पर विराम लग गया है। यह एक संकेत है कि अमेरिका में वैश्विक महामारी का प्रभाव किस तरह से कम होता जा रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शुक्रवार के नियमित संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की, 'हम लौट आए हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं पुष्टि कर सकती हैं कि हम गर्मजोशी से भरे हुए हैं और हमें यहां आना पसंद है।

चीन के सिलसिलेवार में भूकंप के तेज झटके, 3 लोगों की मौत, 27 घायल

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन में युन्नान प्रांत की यांग्बी यी स्वायत्त काउंटी में एक के बाद एक आए भूकंप में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के प्रांत के प्रमुख यांग गुओजोंग ने बताया कि दाली बाइ स्वायत्त प्रांत की सभी 12 काउंटी और शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए लेकिन यांग्बी सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यांग्बी काउंटी में दो लोगों की और योंगपिंग काउंटी में एक व्यक्ति की मौत हुई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए तथा 24 अन्य को मामूली चोटें आयी हैं।

भूकंप से 20,192 मकानों में रह रहे करीब 72,317 निवासी प्रभावित हुए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार, यांग्बी में रात नौ बजे से 11 बजे तक 5.0 तीव्रता से अधिक के चार भूकंप आए। इस क्षेत्र में देर रात दो बजे तक भूकंप के बाद के 166 झटके महसूस किए गए। बचाव दलों को भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया है और बचाव अभियान चल रहा है। शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि उत्तर पश्चिम चीन के किंगघई प्रांत में शनिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

सीईएनसी के मुताबिक, बीजिंग के समयानुसार शुक्रवार देर रात दो बजकर चार मिनट पर प्रांत में गोलोग तिब्बत स्वायत्त प्रांत की मादुओ काउंटी में भूकंप आया। मादुओ से 385 किलोमीटर दूर प्रांतीय राजधानी शहर शिनिंग के निवासियों ने भी भूकंप के झटके महसूस किए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि अभी किसी के हताहत होने और मकान के ढहने की कोई खबर नहीं है। साथ ही बिजली तथा संचार सुविधाएं भी सामान्य हैं। हालांकि, भूकंप प्रभावित इलाके में राजमार्ग के कुछ हिस्से और पुल ढह गए हैं।

लोगों की कमर तोड़ रहा इमरान का 'नया पाकिस्तान', महंगाई की मार झेल रहे आवाम पर टूटा मुसीबत का एक और पहाड़

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पहले से ही तेल की कीमतों, दैनिक उपयोग की वस्तुओं और फूड आइटम्स के दामों में बढ़ोतरी से पाकिस्तान की आवाम कराह रही थी, मगर नया पाकिस्तान का दावा करने वाले प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार ने जनता पर और एक और हथौड़ा दे मारा है। महंगाई के बोझ तले दबी पाकिस्तानी आवाम को उस वक्त एक और बड़ा झटका लगा, जब संघीय कैबिनेट ने बिजली शुल्क बढ़ाने का फैसला लिया। समाचार एजेंसी ने पाकिस्तानी टीवी चैनलों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान सरकार ने बिजली की दर 1.72 पर यूनिट बढ़ा दी है। इस फैसले पर शुक्रवार को कैबिनेट ने भी मुहर लगा दी है। पाकिस्तानी कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में 82 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि को मंजूरी दी है। वहीं, इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सरकार ने समायोजन के लिहाज से प्रति यूनिट 90 पैसे की बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली टैरिफ में वृद्धि अक्टूबर 2021 से

लागू की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले मार्च 2021 में नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथॉरिटी (नेप्रा) ने बिजली दर में 89 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की थी। विवरण के अनुसार, लगभग 6.9 बिलियन रुपये अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने के लिए दरों में वृद्धि की गई थी। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, नेप्रा ने 25 फरवरी को सेंट्रल पावर परचेज एजेंसी (सीसीपीए) के बिजली की दर में वृद्धि के अनुरोध पर एक जन सुनवाई की थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भाजपा अगर सपा शासन में बने चिकित्सा केंद्रों को शुरू कर दे तो बच सकती हैं हजारों जिंदगियां : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार राजनीति छोड़ अगर पार्टी के कार्यकाल में बने चिकित्सा केंद्रों का संचालन शुरू कर दे तो हजारों जीवन बच सकते हैं। सपा नेता ने ट्वीट में कहा, अच्छे काम से प्रेरणा लेने से सुधार का रास्ता निकलता है। अगर भाजपा सरकार राजनीति छोड़कर सपा के समय बने कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ तथा झांसी, जौनपुर, आज़मगढ़, सीतापुर, बदायूं, सहारनपुर, लखीमपुर, अयोध्या में बने आधुनिक चिकित्सा केंद्रों को कारगरढंग से शुरू कर दे तो हज़ारों जिंदगियां बच सकती हैं।

राहुल का आरोप, सरकार के कुशासन के कारण है ब्लैक फंगस बीमारी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में ब्लैक फंगस के बढ़ रहे मामलों को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि 'मोदी सिस्टम के कुशासन' के कारण कोरोना महामारी के साथ यह बीमारी आई है। उन्होंने ट्वीट किया, '' मोदी सिस्टम के कुशासन के चलते सिर्फ़ भारत में कोरोना के साथ-साथ ब्लैक फ़ंगस महामारी है। टीके की कमी तो है ही, इस नयी महामारी की दवा की भी भारी कमी है।'' कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा, ''इससे जूझने के लिए प्रधानमंत्री ताली-थाली बजाने की घोषणा करते ही होंगे।

कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम की स्थिति को लेकर मायावती ने जताई चिंता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने देश में जारी कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम पर शनिवार को चिंता जताते हुए कहा कि दुनिया के मुकाबले भारत में जो स्थिति है वह काफी भयावह है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, कोरोना वायरस के घातक प्रकोप से देश की जनता को बचाने के लिए दुनिया के मुकाबले में भारत में टीकाकरण की जो स्थिति है वह काफी भयावह है। इसपर भी टीके की दूसरी खुराक तो और भी कम लोगों को लग पाई है जो बेहद गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति को दिखाती है।卐 प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बसपा की यही मांग है कि केन्द्र और सभी राज्य सरकारें इस ओर जरूर ध्यान दें।

पीएम से चक्रवात प्रभावित सभी राज्यों के लिए आर्थिक सहायता देने का अनुरोध करूंगा : आठवले

पणजी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चक्रवात ताउते के चलते प्रभावित होने वाले सभी राज्यों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में आए इस चक्रवात के कारण गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में जानमाल की हानि हुई। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ने वास्को शहर में संवाददाताओं से कहा, चक्रवात से प्रभावित गुजरात का दौरा करने के बाद प्रधानमंत्री ने राज्य के लिए 1,000 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की है। हालांकि, उन्होंने अन्य राज्यों को भी अपने वहां हुई हानि का आकलन करने और अपने दावे को केंद्र को सौंपने को कहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने हालात का जायजा लेने के लिए चक्रवात प्रभावित कोंकण क्षेत्र का दौरा किया, जिसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से फसल का नुकसान होने के चलते प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ 50,000 रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

गणतंत्र दिवस हिंसा मामले में दीप सिद्धू सहित 16 के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने दायर की चार्जशीट

नयी दिल्ली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर लाल किले में हिंसा के करीब चार महीने बाद दिल्ली पुलिस ने अभिनेता-कार्यकर्ता दीप सिद्धू और 15 अन्य के खिलाफ इस मामले में आरोप पत्र दायर किया है। मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट साहिल मोंगा के समक्ष 17 मई को 3,224 पृष्ठीय अंतिम रिपोर्ट दाखिल की और सिद्धू समेत 16 आरोपियों के खिलाफ अभियोग का अनुरोध किया। पुलिस के अनुसार, सिद्धू, इकबाल सिंह और मोहिंदर सिंह खालसा सहित 16 में से 13 आरोपी जमानत पर हैं, जबकि अन्य तीन आरोपी मनिंदर सिंह, खेमप्रीत सिंह और जबरजंग सिंह अब भी न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अगर मामले की जांच के दौरान और सबूत सामने आते हैं तो वे पूरक आरोपपत्र दाखिल कर सकते हैं। अदालत के सूत्रों के अनुसार, मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (सीएमएम) गजेंद्र सिंह नागर 28 मई को चार्जशीट के संज्ञान के बिंदु पर मामले की सुनवाई करेंगे।

लद्दाख में आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.6 रही

नयी दिल्ली। लद्दाख के लेह में शनिवार को रिक्टर पैमाने पर 3.6 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, झटके सुबह करीब 8ः27 बजे महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने कहा, 'लद्दाख के लेह में आज सुबह 8ः27 बजे रिक्टर पैमाने पर 3.6 तीव्रता का भूकंप आया।' हालांकि, किसी के जानमाल के नुकसान या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं आई है। इससे पहले लद्दाख में छह मार्च को रिक्टर पैमाने पर 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

तीसरी लहर से पहले 10 साल तक के सभी बच्चों और माता-पिता को लगेगा टीका, सीएम योगी का ऐलान

इटावा। (एजेंसी)।

इटावा दौरे पर आए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि कोविड की तीसरी लहर से पहले प्रदेश में दस वर्ष से कम के सभी बच्चों और उनके मां-बाप को हरहाल में टीका लगा दिया जाएगा। इसके अलावा सभी जिलों में न्यायिक अधिकारियों, उनके परिजनों व मीडिया के लोगों के लिए अलग से वैक्सीनेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी। लखनऊ व नोयडा में इसकी शुरुआत कर दी गयी है, उन्होंने बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट व लखनऊ बेंच में भी वैक्सीनेशन किया जा रहा है। मीडिया से मुखातिब मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में व्यापक पैमाने पर वैक्सीनेशन किया जा रहा है। इटावा में एक लाख 20 हजार से अधिक लोगों को वैक्सीन लगने पर मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से इटावा के लोग जागरूक हैं और प्रशासन ने भी वैक्सीनेशन को लेकर गति बढ़ाई है।

मेडिकल कॉलेजों में 300 बेड के पीडियाट्रिक वार्ड

कोरोना से निपटने के लिए मेडिकल यूनिवर्सिटी की तैयारियों को लेकर उन्होंने बताया कि तीसरी वेब के आने से पहले सभी तैयारियां पूरी करने के साथ ही प्रदेश की सभी मेडिकल यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में 300 बेड के पीडियाट्रिक वार्ड बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सभी जिला अस्पताल में भी 25-25 बेड के पीडियाट्रिक वार्ड बनाए जाएंगे।

गरीबों को बड़ी मदद

सीएम ने बताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से प्रधानमंत्री गरीब खाद्यान्न योजना का निःशुल्क वितरण 20 मई से प्रदेश भर में शुरू कर दिया गया है। प्रदेश सरकार अपनी ओर से रेहड़ी, पटरी, नाई, मोची, पल्लेदार मजदूर व रोज कमाने-खाने वाले लोगों को जून-जुलाई व अगस्त महीने में निःशुल्क राशन के साथ गरीब कल्याण योजना के तहत भत्ता भी उपलब्ध कराएगी, इसके लिए व्यापक पैमाने पर सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने यहां के ट्रामा सेंटर में एक हजार एलपीएम क्षमता के स्थापित हो रहे ऑक्सीजन प्लांट का भी निरीक्षण किया उन्होंने जल्द से जल्द ऑक्सीजन प्लांट को शुरू करने के निर्देश दिए।

जावड़ेकर ने कमलनाथ पर साधा निशाना, कांग्रेस पर देश का अपमान करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने दावा किया कि कोरोना की दूसरी लहर को भारतीय कोरोना का वेरिएंट कहा जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को चीन से उत्पन्न होने वाले कोविड-19 का मजाक उड़ाते हुए सुना जा सकता है। भारत में कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि का उल्लेख करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि यूके के पीएम बोरिस जॉनसन ने 'भारतीय कोरोना' के डर से भारत के लिए उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया था। कमलनाथ के भारतीय कोरोना वाले बयान पर अब राजनीति तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप को कथित तौर पर भारत के साथ जोड़ने पर कमलनाथ की आलोचना की है और कांग्रेस पर देश का अपमान करने का आरोप लगाया। प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि कमलनाथ ने इसे भारतीय कोरोना कहा, उन्होंने आगे कहा हमारी पहचान, मेरा भारत कोविड। ये भारत का अपमान है और कांग्रेस के अनेक नेताओं ने कहा कि ये भारतीय वेरिएंट है, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साफ किया है कि किसी वेरिएंट को किसी देश का नाम नहीं दिया है।

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मैं रोज कमलनाथ जी से प्रार्थना कर रहा हूं ऐसी क्लिप जारी करो जिसमें आप लोगों की सेवा करते हुए नज़र आए। आप जहां भी दिख रहे हो आग लगाते हुए ही दिख रहे हो। आप मध्य प्रदेश को जलाना चाहते हो। पूरी दूनिया कह रही है कि चीन कोरोना लेकर आया है। मध्य प्रदेश के एक और मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि कमलनाथ कह रहे हैं कि भारत पहले महान था अब भारत कोरोना हो गया है। कमलनाथ का बयान शर्मनाक है। ऐसे नेता भारत में पैसा कमाने के लिए राजनीति कर रहे हैं और भारत का नाम बदनाम कर रहे हैं।

देश में कोरोना संक्रमण दर घटकर 12.45 प्रतिशत हुई, 18 राज्यों में संक्रमण दर 15 प्रतिशत से अधिक : सरकार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

देशभर में जारी कोरोना वायरस महामारी के बीच सरकार ने राहत भरी खबर दी है। सरकार की ओर से कहा गया है कि कोविड-19 की संक्रमण दर 10 मई को 24.83 प्रतिशत थी जो 22 मई को घटकर 12.45 प्रतिशत हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि पिछले 20 दिनों से देश में सक्रिय मामलों में कमी देखी जा रही है। 3 मई को देश में 17.13त्न सक्रिय मामले थे, अब यह 11.12त्न हो गया है। रिकवरी रेट भी 87.76त्न हो चुकी है। देश में 2 करोड़ 30 लाख से ज्यादा लोग रिकवर हो चुके हैं।

सरकार ने कहा कि आठ राज्यों में कोविड-19 के एक लाख से ज्यादा उपचाराधीन मरीज हैं जबकि 18 राज्यों में संक्रमण दर 15 प्रतिशत से अधिक है। पिछले 24 घंटों में देश में 2,57,000 मामले दर्ज़ किए गए हैं। जबकि 3,57,630 लोग रिकवर हुए हैं। 78त्न नए मामले 10 राज्यों से दर्ज़ किए जा रहे हैं। सिर्फ 7 राज्यों में प्रतिदिन 10 हज़ार से ज्यादा मामले दर्ज़ किए जा रहे हैं। 1,00,000 से अधिक सक्रिय मामले घटकर अब केवल 8 राज्यों में रह गए हैं। 50,000-1,00,000 के बीच सक्रिय मामले वाले राज्य 8 हो गए हैं। 50,000 से कम सक्रिय मामले वाले 20 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं। लव अग्रवाल ने कहा कि जहां 13-19 फरवरी सप्ताह में देश में 6.96 टेस्ट प्रतिदिन हो रहे थे, अब 19.46 टेस्ट प्रतिदिन हो रहे हैं। पॉजिटिविटी रेट में पिछले 2 सप्ताह से लगातार सुधार हो रहा है। पिछले 24 घंटे में देश में 20,66,285 टेस्ट किए गए। सरकार ने कहा कि देश में एक मार्च को कोविशील्ड की खुराकों के बर्बाद होने की दर आठ प्रतिशत थी जो अब घटकर एक प्रतिशत रह गयी है। जबकि, इसी अवधि में कोवैक्सीन की खुराकों के बर्बाद होने की दर17 प्रतिशत थी जो अब कम होकर चार प्रतिशत हो गयी है। संक्रमण के मामलों का बोझ घटा है लेकिन अब भी 382 जिलों में संक्रमण दर 10 प्रतिशत से अधिक है। 18 राज्य ऐसे हैं जहां पॉजिटिविटी 15त्न से अधिक है, जिनमें लगभग सभी राज्यों में पॉजिटिविटी रेट में लगातार कमी दर्ज़ की जा रही है। 5त्न-15त्न पजिटिविटी वाले 14 राज्य हैं। 4 राज्यों में 5त्न से कम पॉजिटिविटी है। लव अग्रवाल ने कहा कि अब तक देश में 18.41 करोड़ वैक्सीन डोज़ 45 वर्ष से ज्यादा आयु वर्ग, हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई हैं। 18-44 आयु वर्ग के लिए 92 लाख के लगभग डोज़ अब तक उपलब्ध कराई गई हैं। ब्लैक फंगस पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए एमफोटेरेसिन-बी जिसकी देश में सीमित उपलब्धता थी, उसे बढ़ाया जा रहा है। 5 अतिरिक्त मैन्युफैक्चर्स का लाइसेंस दिलाने का कार्य किया जा रहा है। अभी जो मैन्युफैक्चर्स हैं, वो भी उत्पादन बढ़ा रहे हैं।

देश में कोरोना के 2.57 लाख नए मामले, पिछले 24 घंटों में संक्रमण से 4,194 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में 2.57 लाख नए मामले आए हैं। इसी के साथ संक्रमण के रोज आने वाले मामले लगातार छठे दिन तीन लाख से नीचे रहे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि संक्रमण के नए मामलों के साथ ही देश में कोविड-19 के कुल मामले बढ़कर 2,62,89,290 हो गए हैं। मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में इस महामारी से 4,194 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की कुल संख्या 2,95,525 हो गई है। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 29,23,400 रह गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 11.12 प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले मरीजों की दर 87.76 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, इस संक्रामक रोग से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,30,70,365 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.12 प्रतिशत है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख के आंकड़े को पार गए थे। वहीं, 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार और चार मई को दो करोड़ के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में 21 मई तक कुल 32,64,84,155 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई। इनमें से 20,66,285 नमूनों की जांच शुक्रवार को की गई।

मैं कम से कम जमीन पर जाकर हालात का जायजा तो ले रहा हूं न कि हेलीकॉप्टर में : ठाकरे

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के चक्रवात प्रभावित कोंकण क्षेत्र के दौरे की अवधि पर विपक्षी दल भाजपा की आलोचना के बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह कम से कम जमीनी तौर पर हालात का जायजा तो ले रहे थे न कि किसी हेलीकॉप्टर में बैठकर हवाई सर्वेक्षण कर रहे थे। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष लग रही है जिन्होंने इस हफ्ते चक्रवात ताउते के बाद गुजरात में हाल ही में हवाई सर्वेक्षण किया।

ठाकरे ने चक्रवात के बाद जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को कोंकण में रत्नागिरि और सिंधुदुर्ग जिले का दौरा किया और प्राधिकारियों को दो दिनों के भीतर फसलों को हुए नुकसान का आकलन लेने के निर्देश दिए। हालांकि राज्य में भाजपा नेताओं ने उनके दौरे की अवधि को लेकर उन पर निशाना साधा। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्हें यह जानकार हैरानी हुई कि ठाकरे कोंकण के ''महज तीन घंटे'' के दौरे पर राजनीतिक टिप्पणियां कर रहे थे।

वहीं विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दारेकर ने पूछा कि मुख्यमंत्री चक्रवात से हुए नुकसान के बारे में महज तीन घंटे में कैसे जान सकते हैं। भाजपा की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर ठाकरे ने शुक्रवार को कहा, ''ठीक है कि अगर मेरा दौरा चार घंटों का था। कम से कम मैं जमीन पर जाकर हालात का जायजा ले रहा था न कि फोटो खिंचवाने के लिए किसी हेलीकॉप्टर में था..मैं खुद एक फोटोग्राफर हूं।'' उन्होंने सिंधुदुर्ग के मालवन में कहा, ''मैं विपक्ष की आलोचना का जवाब देने के लिए यहां नहीं आया हूं।

पीएम का भावुक होना दिखाता है कि उनके दिल में लोगों के अपनों को खोने का है कितना दर्द : हर्षवर्धन

नयी दिल्ली। कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों को याद कर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भावुक होने पर स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि यह साबित करता है कि उनके दिल में लोगों के अपनों को खोने का कितना दर्द है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने एक ट्वीट में कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति और कड़े फैसले लेने वाले प्रधानमंत्री मोदी कुछ मामलों में बेहद भावुक हैं। हर्षवर्धन ने कहा, ''डॉक्टरों से संवाद करते समय कोविड-19 से जान गंवाने वालों को याद कर प्रधानमंत्री जिस तरह भावुक हो उठे, वो यह साबित करता है कि उनके दिल में लोगों के अपनों को खोने का कितना दर्द है।'' हर्षवर्धन ने कहा, ''प्रधानमंत्री ऐसे नेता हैं, जिन्होंने आम जनता से न केवल राजनीतिक रिश्ता विकसित किया है, बल्कि एक भावनात्मक लगाव कायम किया है। आज काशी के डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उनका संवाद, उनके उसी भावनात्मक लगाव को दर्शाता है।''

लॉकडाउन का सख्ती से पालन करने के लिए बरकरार रखना होगा संयम और अनुशासन : मुख्यमंत्री गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों का असर दिखने लगा है, लेकिन संक्रमण की स्थिति एवं मृत्यु दर अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। गहलोत ने कहा, ''ऐसे में हमें लॉकडाउन का और अधिक सख्ती से अनुपालन करने के साथ ही सामाजिक व्यवहार में संयम और अनुशासन को लगातार बरकरार रखना होगा। तभी हम कोविड-19 के खतरे को कम कर पाएंगे।'' गहलोत शुक्रवार देर रात कोविड संक्रमण, लॉकडाउन तथा संसाधनों की उपलब्धता सहित अन्य संबंधित विषयों पर उच्च स्तरीय समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने संकट की इस घड़ी में लोगों का जीवन बचाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित किए हैं, लेकिन शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी संक्रमण का काफी प्रसार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा वर्ग, गर्भवती महिलाएं और बच्चे भी संक्रमण की चपेट में आए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी विषम परिस्थिति का सामना करने के लिए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदेशभर में चिकित्सा सुविधाओं को और मजबूत बनाना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि चिकित्सा विभाग जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सीएचसी और पीएचसी स्तर तक स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ करने के लिए योजनाबद्ध रूप से काम आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि पहली और दूसरी लहर के अनुभव के आधार पर तीसरी लहर के लिए पुख्ता तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। गहलोत ने कहा कि ब्लैक फंगस जैसी जानलेवा बीमारी के मामले सामने आना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि इसके उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे और लोगों को इससे बचाव के लिए जागरूक भी किया जाए। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने बताया कि मेडिकल आक्सीजन का बफर स्टाक तैयार कर लिया गया है, साथ ही, स्थानीय स्तर पर भी आक्सीजन का उत्पादन बढ़ा है। उन्होंने बताया कि पहली और दूसरी लहर के अनुभवों से सबक लेते हुए तीसरी लहर के लिए योजना बनाई जा रही है।

हिमाचल प्रदेष में ब्लैक फंगस महामारी घोषित, स्वास्थ्य संस्थानों को सतर्क रहने के निर्देश

शिमला। (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश में अभी करोना पर पूरी तरह अंकुष नहीं लग पाया है लेकिन इस बीच ब्लैक फंगस ने आम जनमानस में चिंता और डर का महौल पैदा कर दिया है तो सरकार ने भी अब इस महामारी पर नियंत्रण पाने के लिये कमर कस ली है। प्रदेश में एकाएक ब्लैक फंगस के मामले साने लगे हैं जिसके चलते प्रदेश सरकार ने ब्लैक फंगस को महामारी घोषित कर दिया है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। ब्लैक फंगस महामारी को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके तहत यह अधिसूचना आगामी एक साल के लिए प्रभावी होगी। इसके बाद अब सभी सरकारी व निजी स्वास्थ्य संस्थान को इसके उपचार के लिए प्रदेश व केंद्र सरकार तथा आईसीएमआर द्वारा समय-समय पर जारी गाइडलाइंस पर अमल करना होगा। सभी निजी व सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को ब्लैक फंगस के मामलों को संबंधित सीएमओ के माध्यम से सरकार को रिपोर्ट करना होगा। स्वास्थ्य विभाग की अनुमति के बिना कोई भी इसको लेकर प्रचार नहीं कर पाएगा।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य में ब्लैक फंगस का उपचार प्रोटोकॉल के तहत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस महामारी का उपचार करने के लिए पुख्ता प्रबंध कर लिए गए हैं तथा इस विषय को लेकर उन्होंने उच्च अधिकारियों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों से बात की है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में अब तक इसका एक ही मामला सामने आया है लेकिन दूसरे राज्यों में बड़े स्तर पर इसे देखा गया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जो भी बेहतरीन हो सकता है, वह उपचार किया जाएगा। वहीं स्वास्थ्य मंत्री राजीव सहजल ने वीडियो कान्फ्रैंस के माध्यम से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन से भी कोविड विषय पर बातचीत की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने हिमाचल में कोरोना की स्थिति को जाना। उन्होंने यह जानकारी दी कि वैक्सीनेशन को किस तरह से बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने इसको लेकर सुझाव दिए। इस दौरान मंत्री डॉ. राजीव सहजल ने केंद्र से अतिरिक्त ऑक्सीजन प्लांट की मांग की। हालांकि हिमाचल को 6 प्लांट केंद्र पहले दे चुका है।

राजीव सहजल ने कहा कि ब्लैक फंगस को लेकर सरकार पूरी तरह से सजग है तथा केंद्र के बाद प्रदेश में भी इसे महामारी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि 14 मई से प्रदेश में कोरोना के मामलों में गिरावट आई है लेकिन सप्ताह व 10 दिन में यह क्रम जारी रहेगा, तभी कहा जा सकता है कि मामलों में गिरावट आ रही है। उन्होंने अपील लोगों से की है कि वे वैक्सीन लगाने के लिए आगे आएं।

इस बीच सरकार के लिये राहत भरी खबर यह है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमितों के मामलों में कुछ प्रतिशत गिरावट आ रही है। बीते चार दिनों से लगातार कोरोना का ग्राफ घटता जा रहा है हालांकि अभी कोरोना से मौत के मामलों में गिरावट देखने को नहीं मिल रही है। शुक्रवार को कोरोना से 57 लोगों की मौत हुई है जबकि 2334 नए संक्रमित मामले सामने आए हैं। इसके अलावा प्रदेश में एक दिन में 4533 कोरोना मरीज स्वस्थ हुए हैं। प्रदेश में अब कोरोना के एक्टिव केसों का आंकड़ा 31425 रह गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)